



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

शासकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 235]

No. 235]

मई दिल्ली, वृद्धवार, अक्टूबर 15, 1986/आश्विन 23, 1908

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 15, 1986/ASVINA 23, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जरूरी है जिससे कि यह अक्षण संकलन के रूप में  
रक्का जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

### वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचनासं. 126—भाईटीसी (पं एन) 85/80

मई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1986

विषय :—1986-87 के लिए डी एम 35 मिलियन के परिवर्ती जर्मन पूँजीगत माल क्रेडिट के अधीन आयात के लिए लाइसेंस दाताने की जरूरत।

फाइल सं. भाईटीसी/23/(11)/84-85 :—परिवर्ती जर्मन पूँजीगत माल क्रेडिट के अधीन आयात की नियंत्रित करने वाले नियम एवं गति जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचना के लिए अधिसूचित की जाती है।

एशीय लोकन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियांत्र

### परिशिष्ट

1986-87 के डी एम 35 मिलियन के परिवर्ती जर्मनी पूँजीगत माल क्रेडिट के अंतर्गत जारी किए गए आयात लाइसेंसों के लिए लागू शर्तें।

1. (1) जिस मामले में पूँजीगत माल समिति द्वारा अनुमोदित थोर्डन का मूल्य 2 मिलियन टी एम के तुल्य रूपए से अधिक होता है (सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के खंड-1 के अंतर्गत राजस्व) (सीमा शुल्क) विभाग द्वारा अधिसूचित मुद्रा विनियम की दर पर निश्चित फार्के तुल्य रूपया उसमें थाबंटान के लिए प. जर्मनी के प्राधिकारियों (क्रेडिटान्स ग्रैंट फर बी डॉपनाऊ (कॉफडॉल्यू) की पूर्व सहमति आवश्यक है, और यह सहमति भारतीय आयातक द्वारा अनुबंध-1 के प्रपञ्च में लिए गए परियोजना थांकड़ों के अधार पर अधिक कार्य विभाग द्वारा प्राप्त की जाएगी। यद्यपि तक परिवर्ती जर्मनी के प्राधिकारियों से सहमति अधिक कार्य विभाग द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों (मुख्य नियंत्रक, आयातनियोन) को नहीं भेज दी जाती है तब तक भारतीय आयातक को कोई भी आयात लाइसेंस जारी नहीं किया जा सकता है।

1. (2) लाइसेंस पर “1986-87 के लिए 35 मिलियन डी एम परिवर्ती जर्मनी पूँजीगत माल क्रेडिट” अधिवेद घंकित किया जाएगा।

प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लाइसेंस संकेत “एट/जॉर्ज” होते। ये नुब्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के आयात लाइसेंस को छोड़वित करते वाले पत्र में भी दुहराए जाते।

1. (3) बैंक खर्च जो सामान वैष्ण अपार्टमेंट के माड्यम से ब्रेशिय किए जा सकते हैं, के अतिरिक्त आयात लाइसेंस द्वारा विदेशी नुद्दा के विभीषि धन प्रेषण की अनुमति नहीं दी जाती। भारतीय एजेंट का कमीशन, यदि कोई होता, तो उसके भुगतान एजेंटों की भारतीय नामदारी रूपए में करने चाहिए, लेकिन मैंना भुगतान लाइसेंस नुद्दा का ही भारत होगा और इसलिए लाइसेंस पर ही प्रभागित किया जाएगा।

1. (4) इस आयात लाइसेंस के अधिन विभिन्न लिए जाने वाले माल और संविधित सेवाएं के बचत वर्लिन लैण्ड महित जर्नल मण्डल संघ से आयात किए जा सकते हैं।

1. (5) इस न्यूट्रान और अधिकतम राशि जिसके लिए इस क्रेडिट के अधीन एक आयात लाइसेंस जारी किया जा सकता है वह क्रमः 30,000 डी.एम और 7,000,000 डी.एम के रखर के बगवर है लेकिन विशिष्ट सामग्री में, आविक कार्य विसारा, फ्रूट चार्पार इत्यादि अधिकतम सीमा में 10,000,000 डी.एम तक ढील दी जा सकती है [राजस्व (सीमा शुल्क) विभाग द्वारा अधिकूचित नुद्दा विनियम की दर पर गिनकर तुल्य (रुपया) नुद्दा विनियम की यह दर सूचक विसेक आयात-नियात द्वारा जारी की गई सर्वेक्षित सूचना सं. 78-आईटीनी (पीएन) /74, दिनांक 6 जून, 74 के अनुसार आयात लाइसेंस में निर्दिष्ट होनी चाहिए।]

1. (6) लेकिन आयात लाइसेंस लाइसेंस-कीमीनाड़ी के आधार पर 24 महीने या नीचे पैरा 1(12) में या निर्दिष्ट प्रतिवर्षान्तरी अन्तिम तिथि इनमें जो भी कम हो उस तक की प्रारम्भिक वैश्वान अवधि के साथ इस शर्त के अधीन जारी किया जाएगा कि आयात लाइसेंस को न्यूनतम वैधता जारी होने के अन्तिम तिथि से 12 महीने होगा।

1. (7) पक्के आदेश (जिसका अर्थ है भारतीय लाइसेंसकर्ता द्वारा विदेशी संभरक को कर आदेश और विदेशी दोस्त के द्वारा विधिवत् हस्तांकित क्रम संविदा) आयात लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर ही प्रस्तुत एजेंट को इन चाहिए। देखिये नीचे का पैरा 1(9)। सन्दर्भात् संभरकों के भारतीय अधिकारियों को आदेश और/या ऐसे भारतीय अधिकारियों द्वारा पुष्ट आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1. (8) यदि उपर्युक्त पैरा 1(7) में या उल्लेखित पक्के आदेश चार महीनों की समय सीमा के भीतर निर्णीत नहीं किया जा सकते हैं तो लाइसेंसधारी को आदेश देने की अवधि में वृद्धि मांगते हुए एवं प्रस्तुत मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात (सोसाइटी एंड ई) को या अप्य लाइसेंस प्राप्तिकारी को जैसा भी मामला हो, इन बातों का प्रौढ़िक्य और स्वास्थ्यकरण देते हुए प्रस्तुत करना चाहिए कि आदेशकर्ता वैश्वा अवधिये आधार आदेश क्यों नहीं दिये जा रहे। आदेश देने के बाबत में पृष्ठ के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राप्तिकारी के द्वारा युक्तवृण के आधार पर विचार किया जाएगा जो अवेक्षण, अधिक 4 नहीं के और अवधि तक वृद्धि प्रदान कर सकता है। लेकिन, यदि वृद्धि आयात लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक मासों जारी हो तो ऐसे प्रस्ताव लाइसेंस प्राप्तिकारियों द्वारा निश्चयात्मक रूप से लाभिक कार्य विसार (ईईसी-1 अनुसारं) वित भवान्तर, नार्थ बाक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो ऐसी वृद्धि प्रत्येक सामर्त्य का युग्मता के आधार पर विकार गेकरे और अपने सिर्जिय का लाइसेंस प्राप्तिकारियों को लाइसेंसधारी को सूचना की हिते अंजेगे के बचत लाइसेंस प्राप्तिकारी वृद्धि या त्रुटी प्रदान करने वाले के बचत लाइसेंसधारा द्वारा प्रत्युत करने पर ही विदेशी

नुद्दा की प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय प्राप्तिकारी बैंक आरंडी, सेव वत् स्थापित करने के लिए प्राप्तिकार पक्क, तुल्य तुल्य जमा करने की स्वीकृति आदि की सुविधा की अनुमति देंगे।

1. (9) लाइसेंसधारी को अन्ते पिन के लिए यह सुनिश्चित करना होगा कि पक्के आदेश देने की निर्धारित अवधि के भोतर पक्के आदेश का नियन्त्रक द्वारा दिया जाता है। यदि भारतीयों में इस ग्राम का तुलितवर तरी हिस्सा या उत्तर, उत्तरों वाले नामों द्वारा आदेश देने के अवधि में उत्तर वृद्धि द्वारा लाइसेंस प्राप्तिकारी या उत्तर वृद्धि द्वारा लाइसेंस प्राप्तिकारी को अनुमति देने की विविध विवरण जारी करें तो लाइसेंसधारी को यात्री का वाला रहा है।

1. (10) पिन नामों में लाइसेंस की प्रारम्भिक वैधता अवधि के द्वीपा लाइसेंस के पूर्ण सूचन के लिए आदेश नहीं दिए गए हैं, उनमें लाइसेंसधारी के लिए पहले यह आवश्यक होगा कि यह लाइसेंस के आदेश न दिए गए ऐसे जोड़े सूचन के लिए आदेश देने से पहले उत्तरी पैरा (3) में यथा उल्लिखित तरीके से लाइसेंस प्राप्तिकारी की अनुमति करे।

**खण्ड 2 :** —क्रेश संविदाएं निर्णीत करने समय धारा में रखे जाने वाले विशेष वाले।

2. (1) संविदा के समत जर्नल तंत्रिय गणराज्य की नुद्दा में अभिवास द्वारा चाहिए। विदेशी हीरा विशेष और अन्तरा हीरी चाहिए और किसी भी वृद्धि के लिए विदेशी यीरा यीरा वृद्धि के उत्तरवर्ती अनुमति नहीं होती। यदि विदेशी द्वारा देने के किसी भारतीय एजेंट को कोई कारोबार नुद्दा जाता है तो वह भारत के भारतीय रुपर के द्वारा योग्य विवरण में संविदा में अन्तरा ये प्रदर्शित होता जाता चाहिए और उत्तरी विदेशी नंवरार द्वारा ये प्रदर्शित होता यीरा में देने कुल व्यापारिया भारतीय एजेंट के ऐसे विविध नाम उत्तरवर्ती अनुमति होता चाहिए। आयात लाइसेंस के आधार पर जिन सूचन को आदेश दिया जाना चाहिए है, उन सूचन के विदेशी सूचन की विदेशी नुद्दा में यात्रा करने के लिए आयात लाइसेंस का न्यून सीमा शुल्क अनुसार, 1962 के खंड 15 के अन्तर्गत राजस्व विभाग (नीमा शुल्क) द्वारा अधिकूचित की गई और नुद्दा विवरक, आयात-नियात द्वारा जारी हो; नहीं तो जारी नहीं होता यीरा में 78-आईटीनी (पीएन) /74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 में निर्दिष्ट नुद्दा विवरण की दर पर परिवर्तित किया जाना चाहिए।

2. (2) नियों द्वारा आवानों के सामग्रों में संभरण आदेश या तो लाइसेंसधारी का नाम और नाम आधार पर दिये जाने चाहिए। मार्वेलिन विशेष के आवानों तो सामग्रों में आदेश के बाबत लाभत और भाइड़ा के आधार पर दिये जाने चाहिए।

2. (3) यह स्वातंत्र रूप से समाप्त लोगों विदेशी लोगों से तुलनात्मक विविध प्राप्तिकरण के बाबत करनी चाहिए।

2. (4) अर्द्ध नीचे के लिए न्यूनतम सूचना—न्यूनतम कि एक आयात लाइसेंस के पैरा-1 का विविध का समस्त न्यून 30,000 डी.एम से कम न हो। आपनक के लिए यह स्वीकृति है कि वह 30,000 डी.एम से कम वा 30,000 डी.एम के बगवर अलग-अलग विविध करे। हिन्दू एक आयात लाइसेंस के अन्तीन उन का संविदाशों के जासने से विविध न्यून इ.एम 2 मिलियन के बगवर तो अवधि नहीं होता तो यह नीचे की कंडिशन 2(13) में निर्धारित जारी हो अवधि है।

2. (5-प) आयात लाइसेंस के अंतीन का विविध सीमा का भारत सरकार और क्रेडिटन्सटाट्ट कार बीड्रेकवाड (कोइकड़ा) (परिवर्ती जर्नली विवार संबंधित विविध सामग्री से 25 मिलियन डी.एम तक पूँजीगत

— 1 —

जाना। अवश्यक है और इतनी लंबे समयों में इस सम्बन्ध में एक विशेष धारा सम्बिञ्च करनी चाहिए।

(ख) यह अधिकात लाइसेंस के प्रति को भई हो। संविदा किसका नूच्हा विभाग डीएन 2 मिलिनेट के बायाएर सभ्ये या इससे कम हो (राजदर्श "संसाध शुल्क") विभाग डीएर जपियू.वेड नूच्हा विभिन्न को दर पर संगणित, तो सभ्याजे में उत्तिवादी के अनुनेत्रन के सूचना विभाग या अधिकात को नहीं ही जाएगी। आपातक की सूचना देते हुए वित्त मंत्रालय, अधिकार कार्यविभाग द्वारा के एक डब्ल्यू के पार वार ही संविदा दस्तावेज भेज देते पर आधारक उसी रूप में अपने कार्रवाई कर जाता है तैयार किए पृष्ठ डब्ल्यू द्वारा संविदा न्यूनेटिन कर दी गई हो और यह कार्रवाई तक ५ हजार है तब तक तिकेएक डब्ल्यू की जापति नहीं करते। के एक डब्ल्यू कोई जापति करेगा तो वह नहीं डेंगे के आपातक की सूचित कर दें जाएगी।

(ग) अंतर्राष्ट्रीय लाइसेंस के प्रति की गई ऐसी विविध विवरण यूनिवर्सिटी एम 2 मिलियन के बायावर रुपए को दर्शायाँ थे जिन्हें ही (राष्ट्रकूट "सोसायटी शूल्क") विभाग हाला अविश्वित नुद्रः फिलिपिन के दर संदर्भित) के सामने में पहले भारत सरकार, वित्त बोर्ड आर्थिक कार्य विभाग द्वारा के एक डब्ल्यू ते अनुनोदित प्राप्त किया जाएगा और वह अनुनोदित विजेता रूप से भारतीय आवासक फी मेंजा जाएगा और यह तक यह ऐसा न हो तब तक विवेद्य अधिनियमवाली जारी चाहिए। इस कार्य के लिए एक वरानासी (लिए प्रभावी हैं) के लाय कर उन्निदा की तांत्र प्रतिवानी इन संघर्ष में भारतीय आवासक द्वारा वित्त मेवालद, आर्थिक कार्य विभाग (ईडीसं-1) अनुमान करवा न. 69 नार्थ बालक का क्रम उन्निदा के नियम होंगे की तिव्र से 15 दिनों के भंतार भेजी जारी आवश्यक है कि विदेशी संस्कृतों से तुकरात्व विविधों प्राप्त करवे के बाद ही आदेश दिये गए हैं।

2. (6) जिन मार्गों में शक्तिवाली वीणा-भाङ्ग के आवाह पर की गई है और विदेशी संस्कृत तदनुवात जड़ाज़ों बोमा प्राप्त करते हैं, उसमें विदेशी संस्कृत को स्वरंब रूप से परिवर्तनोपर रुद्रा भें बोमा प्राप्त करने को व्यवस्था करती चाहिए और संबद्ध बोमा कंपनी से इन संबंध में एक वचनपत्र प्राप्त करना चाहिए कि यदि कोई बोमा व्यवस्था को भुगतान करना नहीं तो वह डॉ.एश में सेवे के लिए डग्गरू को किया जायगा। (डग्गरू बड़े वैष्ण के लिए देवी को लिया जाए 50409100)

2. (7) जिन मार्गों में संवेदित लोक और व्रामा भाषा के अधिकार पर को यही है उत्तरमें जग्नी वामा देवी नामों वर्णन कल्पना के साथ करता पाहिए और तदुपर बामा वित्त भाषीय रखते हैं चुनौती चाहिए। लेकिन आवश्यक को भारतीय वैभासिक लग्नी से विलिखित वक्तव्य प्राप्त करना चाहिए और उसको संवेदि दर्शानेर्जी के साथ अधिक लंबे विवाह, वित्त भवान (ईई-1 अनुशासा) का वैज्ञान चाहिए : -

“हम निरो भी उन प्रतिव्याप्ति के लिए सुविद्धा र संस्कृतों को के एक डबल् के माध्यम से विशेष नुद्वा में प्रथ परेवण करेंगे जिसका आवश्यकता माल का हानि या टूट-फूट के लिए हो गया है।”

2. (8) चूकि संविदाएँ उत्तरिका पैरा 2(2) के अनुसार या तो लागत बीमा भाड़ा के आधार पर वा लागत ग्रीष्म भाड़ा के आधार पर करना आवश्यक है, इतनेहर वहें भारतीय जहांग राजा को न उत्तरिग हिए गए हों किर भी विदेशी नुदी में भाड़ा खर्ची चुम्पों के लिए विदेशी समरक को उत्तरदायी बनाना चाहिए। भाड़ा खर्ची हिस्ती भी परिस्थिति में भारतीय रूपर में चलाना चाहिए।

2. (9) लाइरेंस के अंति दिवारों संपर्कों को घुटाव नीति प्राप्त 3 में यथा उल्लिखित स्थेशन सख्तिगत के माध्यम से किए जाएंगे और इन

कार्य के लिए आवात लाइसेंस के प्रति धन प्रेषण की किसी भी सुविधा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

2. (10) आदान लाइनेट के अंतर पर खारोंदे गए भाल के पटिवहर का जहां तक उपर्युक्त है, इन विषय में कठ सविदा के अधीन भाल के पोलिवान की व्यवस्था करते के लिए उत्तरदायी पार्टी ही वाहनों की नुसिंह के लिए स्वतंत्र होगी। पोलिवान जिस देश में संपरक रहते हैं वहां से यह तीसरे देश से किया जा सकता है।

2. (11) वर्लिन लै डमहित. जर्बनी गणतंत्र संघ से खरीद के मामले में जित सविदाओं का मूल्य डी एम 1 विलियन से अधिक है। उनके लिए संभारित त्रिए गए माल के निषाइन के सांतं परे विदेशी संबरक द्वारा निषाइन गारंटी को प्रस्तुत करने के लिए कर सविदाओं में अवस्था होनी चाहिए। इसमें आदेश मूल्य का 10 प्रतिशत भी होना चाहिए। प्राविकार पर जारी करने का अनुरोध करने के लिए सविदा दसाइन प्रस्तुत करने पर अनुबंध 4 के प्रदल में निषाइन गारंटी ई ई सी 1 अनुआग को प्रस्तुत की जानी चाहिए। (अन्य सविदाओं के मामले में अधिकृत उन सविदाओं के लिए त्रिनका मूल्य उत्तर्युक्त निर्दिष्ट सीमा से कम है, भारतीय आयातक इस प्रकार का निष्क्रिय करने के लिए स्वतंत्र है कि उसे विदेशी संबरक से निषाइन गारंटी की आवश्यकता है या नहीं) लेकिन, भारतीय आयातक को यह मुनिष्क्रिय कर लेना चाहिए कि निषाइन गारंटी से उत्तर्नन यदि कोई भुगतान विदेशी संबरक से उसको देय हो तो उसका कागर केडिटास्टालठ पर धीरोनाड (इयूटेश बडेस बैंक फैकपर्टी/मैन लेखा सं. 50409100 से सीधे किया जाना चाहिए।

2. (12) आयात लाइसेंस के अधीन विदेशी संभरकों को भुगतान 31 दिसम्बर, 1939 तक पूर्ण हो जाये चाहिए। इपलिए क्रम आदेश/ संविधाओं में पोलिलानाओं को पूर्ण करने और 31 दिसम्बर, 1989 तक भुगतान करने का सुनिश्चय करने के लिए उचित उपरबंध होता चाहिए। यदि किसी भासले में यह आशा की जाती है कि भुगतान उत्तरविधि तक पूर्ण नहीं किए जा सकते हैं तो प्रवर्तित ओविटर द्वेष हुए आर्थिक कार्य विभाग (सहायता लेखा एवं लेखा परीज्ञा नियंत्रक), यू.सी.ओ बैंक विडिंग, पर्लियामेंट स्टीट, नई दिल्ली) से समय वृद्धि के लिए 31 अक्टूबर, 1989 तक आवंटन करना चाहिए। ऐसे आवेदनों पर गुणांतरण के आवार पर विचार किया जाएगा।

2. (13) किंवा आयात लाइसेंसी का मूल्य भी एवं 2 मिलियन के वरावर स्टपे से शाखिक नहीं होता है, उनके भासले में भारतीय आयातक द्वारा क्रय संविदापुराधिकार कार्य विभाग को एक ही बार में प्रस्तुत करना आवश्यक है। संविदाओं को खंडों में प्रस्तुत करना स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस संबंध में उपर्युक्त पैरा 2(4) में वर्णित अर्हक संविदाओं के लिए अन्तम सूल्य ध्यान में रखना चाहिए।

खण्ड-३ विदेशी संभरको को भुगतान “विशेष” साखपत्र क्रियाविधि ।

3. (1) प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र :—  
जिस आवात लाइसेंस का कुन मृदं डीएम 2 विलियन के बराबर रुपए से अधिक नहीं होता (राजस्व सीमा शुल्क विभाग द्वारा अधिसूचित मुद्रा विनियम की दर पर) उसके प्रति सम्भरको के साथ क्रप संविदाएं निर्णीत हो जाते के 15 दिनों के भीतर या जिन आवात लाइसेंस का मूल्य डीएम 2 विलियन के बराबर रुपए के अधिक होता है (राजस्व "सीमा शुल्क" विभाग द्वारा अतिरिक्त मुद्रा विनियम की दर पर) उसके प्रति की गई संविदाओं के के एक डब्ल्यू के अनुमोदन की मूचना देते हुए भारत सरकार के पत्र देखिए उपर्युक्त पैरा 2(5)(ग) को तिथि से 15 दिनों के भीतर इनमें से जो भी मापदण्ड हो, उसमें लाइसेंसग्राही सम्बद्ध विदेशी सम्भरक के दस्त में एक अस्परिट्सनीय साखेपद के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्यालय विभाग, ई सी-१ अनभाग नार्थ ब्लाक.

(कमरा नं. 69) नई दिल्ली को निम्नलिखित वस्तावेज प्रदत्त करेगा:—

(क) जिस आयात लाइसेंसों का मूल्य भी एम 2 मिलियन के मूल्य रुपए से अधिक नहीं होता उनके लिए की गई संविदाओं के संबंध में:—

- (1) कम प्रादेश की तीन प्रतियाँ, और विदेशी संभरकों द्वारा कम प्रावेश के पुष्टिकरण की तीन प्रतियाँ जो कमातः आयातक एवं संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या उनकी फोटों प्रतियाँ भाक्षणिक प्रतियाँ आयातीय अधिकर्ताओं को दिए गए आदेश और ऐसे अधिकर्ताओं द्वारा की गई पुष्टि स्वीकार्य नहीं है।

### या

कम संविदा की तीन प्रतियाँ जो भारतीय आयातक और विदेशी संभरक दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या उनकी फोटों प्रतियाँ भारतीय अधिकर्ताओं को दिए गए आदेश की साक्षात्कारित प्रतियाँ और ऐसे अधिकर्ताओं द्वारा की गई पुष्टि स्वीकार्य है।

(2) अनुबंध-2 में निर्धारित प्रपत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र (तीन प्रतियाँ)।

- (3) विदेशी मुद्रा का व्यापार करने वाले प्राधिकृत एक भारतीय बैंक से अनुबंध-3 के रूप में निर्धारित प्रपत्र में एक बैंक गारंटी (सार्वजनिक थेट के आयातों के मामले में लागू नहीं) जो कि स्टाम्प अधिनियम, 1899 की धारा 31 के अनुसार स्टाम्प समाहूता द्वारा विधिवत् न्याय निर्णीत हो।
- (4) लागत और भाड़ा संविदा के मामले में भारतीय बीमा कंपनी के वचनपत्र की तीन प्रतियाँ देखिए उपर्युक्त पैरा 2(1)
- (5) इस संबंध में तीन प्रतियाँ में प्रमाणपत्र की विदेशी संभरकों से तुलनात्मक बोलियाँ प्राप्त करने के बाद आवेदन दिए गए हैं, देखिए उपर्युक्त पैरा 2(3)
- (6) इस संबंध में एक प्रमाणपत्र कि लाइसेंस के आधीन आगे कोई भी संविदा नहीं की जाएगी, देखिए उपर्युक्त पैरा 2(13)

(ख) जिस आयात लाइसेंस का मूल्य भी एम 2 मिलियन के मूल्य रुपए से अधिक होता है उसमें दी गई संविदाओं के सम्बद्ध में:—

‘पहले भेजे गए संविदा वस्तावेजों (जिनके संबंध में के, एफ. डब्ल्यू. का अनुमोदन विच संवालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा प्राप्त किया जाएगा) देखिए उपर्युक्त पैरा 2(5) (ग), प्रतिरिक्त निम्नलिखित वस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगे:—

- (1) अनुबंध-2 में निर्धारित प्रपत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए एक आवेदन पत्र (दो प्रतियाँ में)।
- (2) विदेशी मुद्रा का व्यापार करने के लिए प्राधिकृत एक भारतीय बैंक से अनुबंध-3 में निर्धारित प्रपत्र में एक बैंक गारंटी (सार्वजनिक थेट के आयातों के मामले में लागू नहीं) जो कि स्टाम्प अधिनियम 1899 की धारा 31 के अनुसार स्टाम्प समाहूता द्वारा विधिवत् न्यायनिर्णीत हो।
- (3) लागत और भाड़ा संविदा के मामले में भारतीय बीमा कंपनी से वचनपत्र की तीन प्रतियाँ, देखिए उपर्युक्त पैरा 2(7)।

3. (2) वह स्पष्ट किया जाता है कि सार्वजनिक थेट के आयातकों के मामले में किसी भी बैंक गारंटी की आवश्यकता नहीं है।

3. (3) सार्वजनिक खोलना

साथ पत्र इस प्रयोजन के लिए परिचय जर्मन में मनोरीत निम्नलिखित वसंतों में से किसी एक बैंक में प्राधिकार पत्र के बल पर खोला जा सकता है:—

- (1) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, फैक्टरी।
- (2) वि बेयरिंग बैंकिंग बैंक, म्यूनिख।
- (3) वि कार्मस बैंक, ए. जी. फैक्टरी।
- (4) वि ड्यूवॉरे बैंक, ए. जी. हैम्बर्ग।
- (5) वि डेस्टनर बैंक, ए. जी. गालसेगेलोज 7-8, 6, फैक्टरी/मैन-1।
- (6) बर्लिनर हेल्डिंग्स गेसल शेफ्ट, फैक्टरी बैंक।
- (7) वैरिन्स एण्ड वेस्ट बैंक, हैम्बर्ग।
- (8) बैंक फार जीमियम्स रिट्सकाप्ट (बी एफ जी)
- (9) बर्लिनर बैंक, एक्टिनैसेलचेफ्ट, ए. जी. बर्लिन।
- (10) यूरोपियन एशियन बैंक ए. जी., हैम्बर्ग।

आयातकों (मार्केजनिक थेट और निजी थेट दोनों के) और उनके बैंकों की उपर्युक्त पैरा (3) में उल्लिखित नीं बैंकों में से उनके द्वारा चुने गए जर्मनी के बैंक को विशेष रूप से निर्विट करना चाहिए।

3. (4)-(क) जिस आयात लाइसेंस का मूल्य भी एम 2 मिलियन के बराबर रुपए से अधिक है उसके प्रति भावेशों के मामले में पक्के प्रावेदन देने की तिथि से था

(ख) जिस आयात लाइसेंस का मूल्य भी एम 2 मिलियन के बराबर रुपए से अधिक है उसके प्रति संविदा के मामले में वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा संविदा के अनुमोदन के पत्र की तिथि से अद्य इनमें जो भी मामला हो उसमें 15 दिनों के भीतर प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन करने में असकल रहने पर आयात नियंत्रण विनियमों का उल्लंघन समझा जाए।

3. (5) बैंक गारंटी—वह घनराशि जिसके लिए वह निष्पादित करनी चाहिए।

जहाँ कहीं आवश्यक हो, बैंक गारंटी (संविदा के पूर्ण मूल्य के लिए एक बैंक गारंटी) जिस घनराशि के लिए विदेशी मुद्रा/सार्वजनिक भाव भाग गया है उसके तुलना रूपये के द्वितीय धनराशि के लिए प्रासारित तथा बचन-युक्ता खर्चों और इसके प्रतिरिक्त व्याप्त तथा अनुबंध-5 में यथा उल्लिखित रूप खर्चों के लिए इस घनराशि के एक प्रतिगत के लिए होनी चाहिए। परिवहन की प्रकलित वह सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के लैंड-15 के प्रत्यारोपित राजस्व (सीमा शुल्क) विभाग द्वारा अधिसूचित मुद्रा विनियम द्वारा आयात लाइसेंस में निर्विट दर होगी। इस दर का तात्पर्य के बल प्रायातक द्वारा भेजी जाने वाली बैंक गारंटी का मूल्य निकालने के लिए है। लाइसेंस के आधीन किए गए आयातों को विदेशी मुद्रा नागरक के प्रति सरकारी लेखे में रूपया विनियोग करने के लिए तुष्ट रूपए की गणना विदेशी संभरक को भुगतान की आवश्यकता करते समय जर्मन बैंक द्वारा खर्च की गई भी एम घनराशि के लिए मिक्ति दर पर करनी होगी अर्थात् या तो जो एम में, यदि विदेशी संभरक परिषमी (बर्लिन लैंड सहित) में रहता है या समय-समय पर यथा संघोंशित सार्वजनिक सूचना सं. 15-आर्टेन्डी/पीएन-72 विनांक 28-1-72, सार्वजनिक सूचना सं. 108-भाई ई सी (पी एन)/72, विनांक 21-7-72 और 8-भाई ई सी (पी एन)/76, विनांक 17-1-76 के अनुमार किसी अन्य देश जिसमें विदेशी संभरक रहता है, की मुद्रा में भुगतान को प्रभावी करने के लिए भी एम घनराशि में आग नोटिस जारी होने तक इस संबंध में जब और जैसे ही कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा।

3. (6) प्राधिकार पत्र जारी करना:—

यदि उपर्युक्त पैरा 3(1) में निर्विट वस्तावेज नहीं पाए जाएंगे तो परिचय जर्मनी में नामिक वाणिज्य बैंक में आयातक का भारतीय बैंक

द्वारा खोले जाने वाले "विशेष" सांख्यक के आधार पर विवेशी संभरकों को निर्धारित घनराशि तक भुगतान करने के लिए प्राधिकृत फरमे हुए वित्त मंत्रालय (लेका तथा लेका परीक्षा नियंत्रक), प्राधिक कार्य विभाग, यू. सी. और बैंक विलिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली, परिचम जर्मनी में नामित वाणिज्यक को एक प्राधिकारपत्र (अनुबंध-6 के अनुसार) जारी करेगा। ऐसे प्राधिकार पत्र की एक प्रति भारतीय लाइसेंसधारी को भेजी जाएगी। मूल प्राधिकार पत्र की एक प्रति के साथ सांख्यक खोलने के लिए प्राधिकृत सम्बद्ध भारतीय बैंक को इसके द्वारा खोले गए सांख्यक के साथ मूल प्राधिकार परिवर्त्य जर्मनी में नामित वाणिज्यक बैंक को भेजने के लिए आवेदन देते हुए भेजा जाएगा। (ऐसा निवेशन अनुबंध-5 के अनुसार होगा) इसी एक प्रति आधारक और भी भेजी जाएगी।

जब तक इस कठिका में यथा उल्लिखित प्राधिकारपत्र भारतीय बैंक ने सहायता लेका तथा लेका परीक्षा नियंत्रक, प्राधिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय से सीधे प्राप्त न कर लिया हो तब तक भारत के किसी भी बैंक को सांख्यक स्वापित करने के लिए लाइसेंस धारी को सुविधाएँ प्रदान नहीं करनी चाहिए।

3. (7) परिचम जर्मनी में नामित वाणिज्यक बैंक में "विशेष" सांख्यक प्राधिकारपत्र जारी होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर सहायता लेका तथा लेका परीक्षा नियंत्रक, प्राधिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. और बैंक विलिंग पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली को सूचना देते हुए खोला जाना चाहिए। अन्यथा पहले ही जारी किया या प्राधिकार पर बैंक नहीं समझा जाएगा।

3. (8) प्रमेत्रित वस्तावजों और विवरण पत्रों को एकत्र करने पर परिचम जर्मनी में नामित वाणिज्यक बैंक द्वारा विवेशी संभरकों को भुगतान किए जाएंगे। परिचम जर्मनी में नामित वाणिज्यक बैंक परिचम जर्मन प्राधिकारियों से भी एम धमराशि की प्रतिपूर्ति प्राप्त करेगा।

3. (9) जर्मनी गणराज्य संघ में भुगतान के लिए बैंक द्वारा किए गए अनुरूपिक बैंक छार्चें जिस मामले में भी लागू होंगे वे भारत के सम्बद्ध बैंक द्वारा अर्थनी बैंक को सामान्य बैंक प्रगती से मारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए जिना प्रेषण किए जाएंगे।

#### बंड-4 सरकार के लेखे में रूपया जमा करने के लिए उत्तरदायित्व

4. (1) बलिन सेंड सहित परिचमी जर्मनी से भीर धन्य देशों से भारतीयों के दोनों मामलों में परिचम जर्मन के नामित वाणिज्यक बैंक द्वारा मूल धादान वस्तावेज भारत में सम्बद्ध बैंक को भेजने चाहिए। वस्तावजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर इन परिचम वस्तावजों के सेट को लाइसेंस-धारी को देखा इस बात का सुनिश्चय करने के बाबत देगा कि नामित वाणिज्य बैंक द्वारा जर्मनी के संभरकों को चुकाई गई भी एम धनराशि के बराबर रूपया या जर्मनी के सम्बद्ध बैंक द्वारा दीसर देश में संभरक को भुगतान करने की व्यवस्था करने में छार्च की गई भी एम धनराशि और इसका एक प्रतितत अनुरूपिक का और बचनभूता छार्चों के लिए भीर विवेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि से या के, एक, डश्यू, द्वारा परवामित बैंक की प्रतिपूर्ति भी तिथि इनमें जो भी पहले हो से सरकार के लेखे में तुल्य रूपया जमा करने की तिथि तक (दोनों दिन मिलाकर) को प्रभावित किए उपर्युक्त कुल धनराशि व्याज छार्च आयातक से प्राप्त कर लिए जाते हैं और सरकारी लेखे में जमा किए गए हैं। सार्वजनिक सूचना सं. 31-प्राई. टी. सी. (पी.एन)/83, वित्तक 10-8-83 के अनुसार व्याज छार्चों की गणना निम्नलिखित अनुसार की जाएगी, 1 तितम्बर, 1983 को या उसके बाद सरकारी लेखे में जमा करने को दर :—

(1) जहां संभरक को भुगतान की तिथि से 30 दिनों के भीतर 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से निष्पत्र किए जाते हैं या के, एक, डश्यू, द्वारा नामित बैंक की प्रतिपूर्ति की तिथि पहले हो, इनमें जो भी पहले हो।

(2) जहां संभरक को भुगतान की तिथि से 30 दिनों के भीतर रूपया निष्पत्र किया जाता है या के ० एफ० डश्यू द्वारा नामित बैंक की प्रतिपूर्ति की तिथि इनमें जो भी पहले हो।

(क) पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष

(ब) 30 दिनों से अधिक प्रवधि के लिए 18 प्रतिशत

विवेशी संभरकों को विवेशी भुगतान के तुल्य रूपए में किए गए भुगतान की गणना के लिए अपनाई जाने वाली विनिमय वर मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित की सार्वजनिक सूचना सं. ४-प्राई. टी. सी. (पी.एन)/76, वित्तक 17-1-76 में यथा निर्धारित मिलो-जुली दर होगी या समय-समय पर मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या रिजर्व बैंक इंडिया के मुख्य विनिमय नियंत्रण परियों के माध्यम से सरकार द्वारा प्रधिसूचित की जाने वाली दर हो सकती है। भारतीय सम्बद्ध बैंक की यह जिम्मेदारी होगी कि आयातकों को मूल पोस्टलदान वस्तावजों के सौंपते से पूर्ण यह सुनिश्चय कराए कि देय धनराशि ठीक प्रकार से सरकारी लेखे में जमा करा दी गई है। लाइसेंसधारी को यह भी सुनिश्चय करना चाहिए कि उनके बैंकरों से दस्तावजों को लेने से पूर्ण सरकारी लेखे में देय धनराशि ठीक प्रकार से जमा करा दी गई हैं।

4. (2) उपर्युक्त 4 (1) में विचार किए गए निषेंगों की छान-राशि या तो रिजर्व बैंक धांफ इंडिया, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक धांफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में नकद जमा की जा सकती है या यथि यह सुनिश्चितक के हो तो वह धनराशि प्रतिपूर्ति स्टेट बैंक धांफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली-7 के नाम डिमाइड ब्रूफट के माध्यम से सार्वजनिक सूचना सं. ७४-प्राई. टी. सी. (पी.एन)/74, वित्तक 31 महि. ७.४ और सार्वजनिक सूचना सं. १३२-प्राई. टी. सी. (पी.एन)/71, वित्तक ५ अक्टूबर, ७१ द्वारा तथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. २३३-प्राई. टी. सी. (पी.एन) /६४-वित्तक २४ अक्टूबर, ६८ के अनुसार प्रतिशत साखारी लेखे में जमा करने के लिए प्रेषित को जमा सकती है। धनराशि जमा करने के लिए लेका शीर्षक "के डिपोजिट्स एण्ड एजामिसज-जी" डिपोजिट्स नोट वियर्ट्स इन्स्ट-४.४.३ तिविन डिपोजिट्स, डिपोजिट्स फार पजेजिज सफ्टवेर एक्सेस एप्लीकेशन पेंट्रल प्रोसीजर डिपोजिट्स फार फोर्स धांफ सप्लाइ एण्ड इन्विप्रेट ऑवरडैंड बंडर दि बैंस्ट जर्मन कैपिटल गुडस केडिट १९८०-८१ (टी.एम ३५ मिलियन केडिट)।

4. (3) धन परेण्य सार्वजनिक सूचना सं. ७४-प्राई. टी. सी. (पी.एन)/74, वित्तक ३१-४-७४ में निर्धारित किए गए चालान प्रपत्र द्वारा जारी किए जाएंगे।

4. (4) रिजर्व बैंक धांफ इंडिया, नई दिल्ली, या स्टेट बैंक धांफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली-६ से चालान की एक प्रति या स्टेट बैंक धांफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली-८ की डिमाइड ब्रूफट प्रस्तुत करने के संबंध में सूचना इस भारतीय बैंक ने गोर्टी जारी की है उसके द्वारा सहायता लेका तथा लेका परीक्षा नियंत्रक, प्राधिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. और बैंक विलिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली को परिचमी अर्थनी के नामित बैंक से प्राप्त की गई सूचना विषयियों का पूर्ण व्यापार देते हुए अप्रेण्य पत्र के साथ भेजों जाएंगे।

4. (5) वेष्ट प्राधिकृत ध्यापारियों के माध्यम से प्रतिशत रूपया जमा गांवों और सार्वजनिक सूचना सं. १८४-प्राई. टी. सी. (पी.एन)/६८, वित्तक ३० अगस्त, १९६८ के अनुसार उन्हीं से लाइसेंस जमाने के माध्यम विनिमय नियंत्रण प्रति भी पुष्टाकित अर्थना आयातकों के लिए अनिवार्य होगा। उन्हें रिजर्व बैंक धांफ इंडिया द्वारा यथा नियरिल प्रतिशत "एस" प्रपत्र भी भरना चाहिए।

4. (6) एक लाइसेंस के अधीन भारत पूर्ण कार सेने के बाद और देय संभरणी आयातकों/वैकरी द्वारा यथा नियरिल प्रतिशत "एस"

भारतीय किए गए आयात माल और जमा किए गए दूध के ब्योरे उत्तराधिकारी लेखा रुपा के विभिन्न वित्त भवालय, अधिकारी विभाग, यू. सी. आ. ऐ. विडिल्स, पार्टीनेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली को अनुबंध-6 में द्या। निर्धारित प्रयत्न में प्रस्तुत करने वाले जिसमें वित्त मंत्रालय उनको सहायता प्रदान करके उन्होंने आवश्यक हो, आयातकों द्वारा प्रस्तुत की गई बैंक गारंटी का दिल्ली करने के लिए डाकवस्ता कर दिया।

#### खंड-5 संविदा में परिवर्तन

संविदाश्रमों की माल की सूची, शर्तों, या भुगतान की अनुसूची, माल के मूल्य आदि से संबंधित किसी भी महत्वपूर्ण परिवर्तन के लिए वित्त मंत्रालय और के, एफ. डब्ल्यू. प्राविन्दार्थी वा अनुबोधन प्राप्त करना आवश्यक होगा, इसके परिणाम स्वरूप वाहन पहले जारी करना पड़े या उसको स्थगित करना पड़े। आयातकों द्वारा उपर्युक्त पैरा 2 (5) में यथों उल्लिखित नरके से भारत सरकार/के, एफ. डब्ल्यू. के अनुबोधन के लिए कार्रवाई हेतु ऐसे परिवर्तन की सूची आधिकारी कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली, (ई. ई. सी.-1 अनुमाल, नोर्थ ब्लॉक) को उत्तर देनी चाहिए।

#### खंड-6 रिपोर्ट भेजना

आवेदन देने, भाजे की सुरुर्दी, विदेशी संभरणों को भुगतान आदि को प्रदान करने हुए भारतें से के जारी होने की सिंधि से प्रारंभ करके अनुबंध-7 के अनुमाल एक द्विमात्रिक रिपोर्ट वो प्रतियों में वित्त मंत्रालय, अधिकारी कार्य विभाग (ई. ई. सी.-1 अनुभाग) कराया न। 69 नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली के भेजनी काहिए और इसको भेजना तात्काल जारी रखना चाहिए। उबलक कि संविधान के अधीन सभी पोड़जात और सभी भुगतान पूर्व न कर दिए जाएं। तो एम् 2 मिलियन के तुम्ह दूर (राजस्व गुप्त विभाग द्वारा अधिसूचित मुद्रा वित्तमय की बर पर) से अधिक के आवंटन के सामने में उत्तर उल्लिखित द्विमात्रिक रिपोर्ट के अतिरिक्त प्रयोक्ता अर्थ 30 जून और 31 वित्तवर को अनुबंध-9 में निर्धारित प्रयत्न में एफ. अधिकारीप्रियक रिपोर्ट (दो प्रतियों में) भी यदि काहिए विशेष घटना हो तो परियोजना को प्रगति पर और परियोजना का सूर्य बढ़ते के लिए समर्थ समवय अनुसूची के पालन पर प्रस्तुत करनी चाहिए और इसके साथ आवास करने वाली आर्थिक कंपनी की वार्ताप्रिय रिपोर्ट (दो प्रतियों में) भी जड़ लाने परियोजना पूर्ण नहीं हो जाएगी। यह से यह संविधान विधि के लिए आवश्यक होगा।

#### खंड-7 विविध प्रावधान

7. (1) आइसेंट्राली को आयात लाइसेंस में किसी भी ऐसी शर्त से संभरणों को भवात पायता ही चाहिए जो लेनदेन का अनुपालन करने में संभरणों को प्रद्वायित करे।

7. (2) विवाद:—1 धू समस लेना चाहिए, कि भारतीय आयातक और विदेशी संभरण के बांध यांवे कोई भी विवाद उठेगा तो भारत सरकार उसके लिए कोई भी उत्तरदायित्व नहीं लेगा।

7. (3) अनुदेशों का पालन: आयात लाइसेंस से संबंधित उसके कारण उठने वाले विदेशी एफ. या लाली भासलों के संबंध में कें. एफ. डब्ल्यू. प्राविकारियों के साथ 3.5 मिलियन और एम् के पूर्णांग माल समझौते के अधीन सभी उत्तरदायित्व को पूर्ण दार्दों के लिए भारत सरकार द्वारा समय पर जारी किए गए विदेशी अनुदेश और आदेश का आवृत्तिशारी को मुरंस पालन करना होगा।

7. (4) अतिक्रमण या उल्लंघन: उपर्युक्त आयातों में निर्धारित शर्तों का किसी भी प्रकार या भारतीय अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात समय नियति (विवरण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जायेगी।

#### 7. (5) अनुबंधों की अनुसूची:

अनुबंध-1	परियोजना को प्रपत्र
अनुबंध-2	प्राविन्दार पत्र को जारी करने के लिए आवेदन का प्रत
अनुबंध-3	वैन गारंटी का प्रत
अनुबंध-4	निलालन गारंटी का प्रपत्र
अनुबंध-5	प्राविन्दार पत्र का प्रपत्र
अनुबंध-6	प्राविन्दार पत्र के भेजने के लिए अनुदेशों द्वा पत्र
अनुबंध-7	वैन गारंटी को दियाई के लिए एवा नियों का विवरण
अनुबंध-8	सैनिक रिपोर्ट, डब्ल्यू. कर्डो के लिए प्राप्त
अनुबंध-9	(प्रदूषणित प्रणाली द्वारा प्रवात) वैन जारी दूध से अधित्त के मालने के लिए भारत है।

#### अनुबंध-1

परियोजना अनुकूल प्रपत्र

कोडिटस्टास्ट फार वाइड्रोपटी

6. फैस-फैस/मेन, जर्नी संवीध गगराज पारमेन-गैलेनेट्री 5-9

जर्नेन टूर्जीन भारत दूरग से विदेशी मुद्रा के लिए

प्रविन्दार पत्र

परियोजना आवृत्त

#### (1) प्रोटोकॉल (क)

- (क) पंजीकृत लायरिय (एजन सहित पत्र)
- (ख) आर्टनिह झोन या निजी झोन संस्थान
- (ग) बावार लाइन/डब्ल्यू. की शाखा
- (घ) कोर्नी के नामांदार
- (ज) विदेशी सहयोग समझौता

#### (2) वित्त पोरियत लिए जाने वाले पूर्जागत माल की सिस्त

(3) पूर्जागत माल के बुराव या आशार कुरारा प्रवर्गी गई अविन्दार किंविधि का उकेत पार्टी। कूर्जि पूर्जीन भारत दूरग जर्नी संवीध गगराज से बरोदा के लिए डानन्द है इसके इस संबंध में मैन लिया जाना चाहिए ति लिये देंगों भी विदेश के संबंध में पूर्जागत को गई भारत की गई था और वह भावार बहा है जितक लिए विदेश लेवरज या बुराव लिया जाना है।

#### (4) समर्थ (नाम और चर्चा)

(5) संरूप परियोजना का संविध विवरण (विभाग लिए एवे पूर्जागत माल की आवश्यकता है)

(6) निविलिंग्ड आरडी के विवेयण के साथ संरूप परियोजना की स्वतन्त्र वर्त विदेशी मुद्रा में कोनतः:

- सूमि एवं भवन
- मांगनेरो एवं उपकरण
- परिवहन लियि
- विविध

(7) संरूप परियोजना के लिए स्वामोद एवं विदेशी विनान लाल, (रिवरन) के साथों से भवित भावित विवरण इस वाले की पुष्टि कर लेनी चाहिए ति रुपा वित्तवान है और इस आवेदन पत्र के गांतोत न याने याली विदेशी मुद्रा को आवश्यकता पूरी कर ली/प्राप्त कर ली गई है।

- (8) प्राप्त हिंदू गण और विदेशी लाइसेंस के लिए उद्देश्य पत्र।
- (9) मनुष्यों पत्र एवं भाग तथा शृंगों के बेले के यात्रा दी दर्तों की आर्थिक रिपोर्ट। यदि उपलब्ध हो तो नक्शा गति एवं भाग का पूर्णिमांश।
- (10) स्थान-
- (ए) ग्रामीण वर्षों के शहरों का संक्षेप लम्बाया या छोटाया तारीख
  - (ब्र) उत्तरी गार्हिणी मासों में क्षात्रा और चातुर्थी देखें।
- (11) विकास (ग्रामीणों की विकास)
- (12) विदेशी गिरजानों वाले उत्तरार्द्ध की भारतीय विदेशी (यदि संभव हो तो अंतर्राष्ट्रीय एवं संनार्थी विदेश के भागों को प्रशंसित करें)।
- (13) राज्यालय-
- (द) अन्तर्राष्ट्रीयों की वर्तमान संस्था
  - (ब्र) परिवारों पूर्ण होने के बाद अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारी
- (14) कठ्ठों भाज के संभरण स्रोत
- (15) परिवारों के निवासन के लिए समय-सारणी।

## भाग-2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र

सेवा में,

सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा विवरक,  
वित्त मंत्रालय,  
आर्थिक कार्य विभाग,  
पू. सी. ओ. बैंक ब्रिलिंग, पालियामेंट स्ट्रीट,  
नई दिल्ली।

(ई. ए. सी.-1 अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग, नार्य व्यापक, नई दिल्ली के माध्यम से)

विषय :—1986-87 (डी. एम. 35 मिलियन फ्रैंडिट) के लिए परिचय  
जर्मनी पूँजीगत माल क्रेडिट के अंतर्गत  
से ..... का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित परिचय जर्मनी पूँजीगत माल क्रेडिट के अंतर्गत  
से ..... का आयात करने के संबंध में हम निम्नलिखित व्यापा आपको देते हैं ताकि आप  
के भाग्यम से स्टेट बैंक प्राक इंदिया, फैक्टरी या बैंकिंग वेरेस म्यूनिक ब्रथवा कार्मज बैंक ए. जी.  
फैक्टरी या बैंकिंग वेरेस म्यूनिक ब्रथवा इसे डेनर बैंक  
ए. जी. गालसेनेज 7-8, 6-फैक्टरी निम्न-1 या फैक्टरी बैंक फैक्टरी/  
एम. एन. मेन या बैंकिंग उद्द बैंक, हमवर्ग ब्रथवा बैंक फर  
जीमिस वर्समचैटु (बी. एफ. जी.+) या बैंकिंग बैंक अक्टनजीनेस  
बैंक, ए. जी. बैंकिंग ब्रथवा यूरोपियन ऐसियन बैंक ए. जी., हमवर्ग  
के साथ पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी कर सकें।

(क) आयातक का नाम और पता

- (1) क्या सार्वजनिक शेक्षण का है या निजी शेक्षण संस्थान  
का है।
- (2) उद्योग की श्रेणी जिससे वह संबंध रखता हो।
- (3) वह राज्य जिसमें स्थित है।

(ख) लाइसेंस की संख्या, विनाक एवं मूल्य (लाइसेंस की फोटो  
प्रति संलग्न की जानी चाहिए)।

(ग) भूगतान नियमों व्यापार (लागत भीमा या लागत भाक) की  
किसी भी मामलों में केवल जहाज पर्याप्त निःशुल्क मूल्य के  
लिए प्राधिकार पत्र के लिए आवेदन नहीं किया जाना चाहिए)  
को दर्शाएं तुए संभरक द्वारा दिए गए और स्वीकार किए  
आवेदनों का विदेशी मुद्रा में मूल्य।

(घ) इस संबंध में एक प्रमाणपत्र के पक्के आवेदन (संभरक के पुष्टिकरण आवेदन के साथ) आयात लाइसेंस के जारी होने  
की तारीख से भारत मास के भीतर दें दिए गए हैं। यदि 4  
मास की निर्धारित अवधि के बाद आवेदन दिए गए हैं तो  
जैसा भी मामला हो, भूल्य नियन्त्रक आयात-नियांत के पत्र/  
वित्त मंत्रालय के पत्र की एक ऐसी प्रति संलग्न की  
जानी चाहिए (जिसमें आवेदन देने के लिए समय वृद्धि के  
लिए प्राधिकार दिया जाया है)।

(ज) इस संबंध में तीन प्रतियों में एक प्रमाण पत्र की  
समुद्रपार संभरकों से तुलनात्मक वीलियां प्राप्त करने के बाद  
पक्के आवेदन दिए गए हैं। और यह कि न्यूनतम उपयुक्त  
तकनीकी दाना स्वीकार कर दिए गए हैं। यदि तुलनात्मक वीली  
प्राप्त करना संभव नहीं है जैसे एकाधिकार मव, तो इसके लिए  
पूरे अधिक्षित दिए जाने चाहिए।

(क) आयात किए जाने वाले माल का संक्षिप्त विवरण।

(छ) संभरकों को देय वास्तविक विदेशी मुद्रा (डी. एम. मुद्रा में  
व्यक्त की जाए) जिसके लिए प्राधिकार पत्र अपेक्षित है) प्रभिकरण कर्मचारी को छोड़कर)।

(ज) विदेशी मुद्रा में अभीकरण में क्रमीशन की ब्रनराइट और भारतीय  
अभिकर्ता को नाम और पता।

(झ) सुर्पुर्दी पूर्ण करने की अनुमति तिथि।

(झ) संविदा के अंतर्गत भूगतान के लिए पड़ते वाली सम्मानित तिथि  
को प्रदर्शित करने वाली एक अनुसूचि।

(ट) 2 मिलियन डी.एम के बराबर आयात लाइसेंस के मूल्य के मामले  
में यह बताने हुए एक प्रमाण-पत्र दिया जाना चाहिए कि आयात  
लाइसेंस के महे सभी संविदा पूरी कर दी गई हैं और आगे  
कोई भी संविदा नहीं की जाएगी जिसके द्वारा साक्ष-पत्र खोला  
जाएगा।

(विदेशी मुद्रा देने के लिए प्राधिकृत भारतीय अनुसूचित बैंक का नाम और  
..... और ऊपर उल्लिखित बैंक द्वारा ..... १० के लिए वा: गई बैंक गारंट सं. .... दिनांक  
..... और जो स्टाम्प अधिनियम, 1899 की आरा 31 के अनुसार  
स्टाम्प कल्कटा द्वारा विधिवाल व्यय - निर्मित की गई है, संलग्न है।

भवदीय,

(लाइसेंसधारी)

प्रति ..... बैंक की सुचनार्थ प्रेषित।

अनुबंध - ३

गारंटी बांड

भारत के राष्ट्रपति,

भारत के राष्ट्रपति के लिए (इसके बाव इसे सरकार कहा गया) परिचयी जर्मनी पूँजीगत क्रेडिट 1986-87 की मात्रों के अनुसार तथा उमर-उल्लिखित करार के महे आयातक के नाम में आयात के अनुसारण में दिनांक ..... को जारी किया गया लाइसेंस सं. .... का पालन करते हुए ..... के द्वारा (बाव में इसे "भावत्त")

कहा गया है) के आयात के लिए भुगतान के लिए राजी होते हुए (विदेशी मुद्रा में उपर्युक्त धनराशि का संकेत करें) आयात के अनुरोध पर हम आयातक द्वारा मनोरीत (वेस्ट जर्मनी में बाणिजिक बैंक का नाम) .....

बैंक द्वारा भुगतान की गई धनराशि को जमा करने के लिए परिवर्तन की चालू परिवर्तन दर पर जो हम संबंध में समय-समय पर सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार परिवर्तित किया जाता है और हमके साथ 1 प्रतिशत की विदेशी संभरक को किए भुगतान की तारीख तक सरकारी लेख में क्रेडिट के लिए समतुल्य ३० के भुगतान की तारीख तक या के एक उल्लंघन द्वारा नामित बैंक की प्रतिपूर्ति की तिथि तक इनमें जो भी पहले हों, प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत बाणिजिक दर से और हमसे अधिक की अवधि के लिए 18 प्रतिशत बाणिजिक दर के हिसाब से व्याज के साथ भुगतान के परामर्श की पावती की प्राप्ति के बजाय जिसमें भीतर विधि के साथ भारत सरकार के क्रेडिट के लिए और उक्त क्रेडिट के अंतर्गत उपर्युक्त लेख लीबैंक के लिए जैसा कि भारत सरकार द्वारा लेखा शीर्ष के मध्य संकेतिक है, व्यवस्था करने का भार लेते हैं। वेस्ट जर्मनी में नामित बाणिजिक बैंक द्वारा प्राप्त आयात प्रेलेखों का परकार्य सेट आयातक को केवल तभी लोटाया जाएगा जबकि उपर के अपेक्षित पूरे रूप जमा कर लिए गए हैं।

2. हम बैंक सरकार जहाँ और जैसा वी समय समय पर निवेश के, आयातक द्वारा समय समय पर सरकार को वी जाने वाली किसी भी प्रकार की धनराशि चाहे वह बकाया हो या भुगतान करने वोग हो या जमका कोई भी व्यंग जो आयातक द्वारा घोड़े समय के लिए बकाया और देय रह गया है, जिसमें विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि से हम पर प्रथम तीस दिनों के लिए 12 प्रतिशत बाणिजिक दर और हमसे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत बाणिजिक दर के हिसाब से व्याज भी शामिल है, ऐसी राशि को .....

3. हम बैंक आगे हम बात पर सहमत है कि संविदा के अंतर्गत किसी मिली जुली दर में परिवर्तन होने पर आयात के मूल्य में वृद्धि होने से या असूरे मास छुड़ाने की विधि में उसका मूल्य घट जाने की विधि में, जब से परिवर्तन हुआ है, उस परिवर्तन के अनुपात में बैंक गारंटी जांड की धनराशि को समायोजित कर लिया जाएगा।

4. हम बैंक आगे हम बात पर सहमत है कि हम गारंटी में जो कुछ निहित है, वे उल्लिखित करार/संविदा के निष्पादन होने तक पूरी रूप से और प्रभाव के साथ लागू होंगे और उसे तब तक कार्यान्वयित रखा जाएगा तब तक सरकार के अंतर्गत या हम गारंटी में जाने वाला सारा बकाया देय पूरीरूपेण चुकता न कर दिया गया हो और उसकी मार्गे पूरी न हो गई हों या उन्मूलन न हो गई हों।

5. हमसे उल्लिखित गारंटी पर आयातक या दिया जाने वाले संविदा के संविधान में किसी प्रकार का परिवर्तन होने से प्रभाव नहीं पहुँचा और सरकार को यह पूर्ण स्वतन्त्रता होगी कि गारंटी को प्रभावित किए जिन आयातक और दिया जाएं। बैंक पर लागू होने योग्य किसी भी शक्ति को किसी समय या समय-समय के लिए स्वयंगत करने और उपर्युक्त भासले के संदर्भ में या किसी कारणबश घोड़े समय के लिए आयात को या किसी अध्य स्थान जो दिया गया हो, हम गारंटी के अंतर्गत सरकार द्वारा किसी प्रकार की स्वतन्त्रता बरती जाने पर वह अपनी जिम्मेदारी से उम्मुक्त नहीं होगी, लेकिन हम व्यवस्था के लिए नियम या सरकार की ओर से वी गई छूट या आयातक पर किए गए किसी तरह से अनुप्रह हो या और कोई मामला या वात, चाहे जो भी हो, जो जमानों के संबंधित हों .....

बैंक पर हम प्रकार की जिम्मेदारियों के लिए अपर कर्तित उम्मुक्त कर ब्राह्मण नहीं पहुँचेगा।

6. अंत में हम बैंक यह भार लेते हैं कि सरकार द्वारा लिखित में परामर्श पाए जिन मुद्रा में हमकी गारंटी को रह नहीं करें।

7. हम गारंटी के अंतर्गत रुपर (इसमें व्याज तथा अन्य प्रभाव भी शामिल हैं, इस गारंटी को धनराशि के 1 प्रतिशत से ज्यादा होने की उम्मीद नहीं की जाती) तक सीमित रखने की हम जिम्मेदारी लेते हैं और यह बैंक यह भास .....

तारीख से देह वर्ष के भीतर लिखित रूप में गारंटी के अंतर्गत मार्गे पूरी नहीं कर ली जाती, इसे लागू रखा जाएगा और जब तक उसके बाव तूसरे देह वर्ष के भीतर अवधि तक उम्मीदी मार्गों के लिए मुक्तमा या कारंबाही लागू न हो जाए, इस बारटी के अंतर्गत सरकार सभी अधिकारों से वंचित हो जाएगी और हम लागू हमसे अन्वर निहित जिम्मेदारियों से मुक्त और उम्मुक्त कर दिए जाएंगे।

विन का विनाक विन्स्टो विनी के द्वारा (बैंक नि.)

माम और ओहदा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से स्वीकृत हस्ताक्षर

हस्ताक्षर हस्ताक्षर

8. यह तारीख और एक मास के साथ प्राधिकार पत्र को बैंक रखने तक की तारीख से लागू होगी।

टिप्पणी:—(1) स्टाम्प पेपर का मूल्य जिसमें यह गारंटी कार्यान्वयित होने वाली है, इसके मूल्य को भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 31 के अनुसार स्टाम्प कलक्टर के द्वारा व्याज निर्णित किया जाना है।

(2) बैंक गारंटी का मूल्य वेब्स उपर्युक्त कंडिका 2 एवं 7 जो 1 प्रतिशत जोड़ने के पश्चात संविदा के वास्तविक लागत तथा भाड़ा या लागत बीमा भाड़ा मूल्य होगा और आयात लाइसेंस जारी होने की तारीख को मुद्रा विनियम सीमा शुल्क की प्रचलित दर पर परिवर्तित और शामिल किया जाएगा।

लगुड़ग्ध—4

(निष्पादन बाण्ड)

लाभोनी का पता .....  
मूल्य के टेके पर ..... (परियोजना)  
के लिए मैसर्स ..... (जिनके बाद में टेकेदार के नाम से पुकारा जाये) के साथ ..... को प्राप्तके टेके करने के विचार हेतु

और चूंकि टेके की यह एक शर्त है कि टेके के मूल्य का 10 प्रतिशत का एक निष्पादन बाण्ड दिया जाए।

हम, अबोहस्ताशीरी बैंक उपर्युक्त संविदा के प्रवीन सभी प्राप्तियों नगा प्रतिक्रियाओं को दूर करते हुए, आपकी लिखित धोषणा के मध्ये टेकेदार ने अस्तीकार कर दिया है व्यवसा और उल्लिखित टेके का निष्पादन करने में प्रसफल रहा है (समये) ..... (शब्दों में) की सीमा तक आपके द्वारा मार्गी गई किसी भी धनराशि का आपकी प्रथम लिखित मार्ग पर बैंक किसी विलम्ब एवं द्वारा अपरिवर्तनीय तथा स्वतंत्र रूप से आपको भुगतान करने के लिए गारंटी देते हैं।

इस गारंटी के अधीन यदि कोई क्लेम किया जाता है तो..... नाम में भुगतान केंटिटरनडाइट कर वैरिक्यर्कीवाक्सफॉर्मेन(एकाक्सट मं. 50,409,100 डब्ल्यूडब्ल्यू ब्रूडैटैच, जेन के नाम) दराचिर होगा। यह गारंटी तिथि की समाप्त होगी और उपर लारेब तक हो करें भा क्लेम रजिस्टर्ड पत्र भवयक्ष के बारे द्वारा अवश्य प्राप्त होता चाहिए।

यह मान लिया है कि आप इनके प्रयोग तथा नहीं हुए प्रवाहिय के भुगतान समाप्त होने पर भा यह गारंटी यारं इन्होंने कहा है। तिथि..... ब्रैच.....

## अनुबंध-३

प्राधिकार पत्र की संख्या,.....  
सं

भारत सरकार  
विस मंत्रालय  
(प्राधिक कार्ये विभाग)  
नई दिल्ली, दिनांक

(मनोनीत वैक का नाम भीर पता)

जर्मन संघीय गणराज्य

विषय:- जर्मन संघीय राज्य न्हौ एम 35 विनियन पंजीयन माल केंटिट दिनांक 25-३-८६(ए.एन. १६६५३३३) द्वारा लाइ ग सं..... दिनांक..... सीधे भुगतान कियाविधि के अधीन विशेष गवर्नरों द्वारा भुगतान।

## प्रिय महोदय,

उपर्युक्त कियाविधि की गतों के अनुयार, हम आपको एतद्वारा मर्जिश्री द्वारा की गई संविदा के महे..... के अन्यात के तिए..... द्वारा खोले गए साक्ष-प्रक्ष के अंतर्गत संवेशी को..... का भुगतान करने के लिए, दी एम में जितनी भी घनराजि घावश्यक हो खर्च करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

2. सूक्षि घनराजि दी एम 35 विनयन(19)परिवर्ती जर्मनी पंजीयन माल केंटिट के अंगर्त विनवान को जानी है, द्वारा जेत प्रस्तुत करने पर उनके दिवय में आत्मीत करे और साथ ही गाय केंटिटनडाइट कर वो उसको, फैक्टरी से अवायी, प्राप्तकर संवरक को भुगतान करें। यदि के एक डब्ल्यू किसी कारण से घनराजि की घनराजी नहीं कर सकता है तो आप घावश्यक प्रदाययों के लिए इस विनयन से तंयक स्थापित करें।

3. प्रत्येक घुगतान के बाद अशुज्जामी एवं अन्य प्रकार के प्रसेष्य (एकाक्स्ट)..... को संघे भेजे जाए और प्रेसेष्य (एकाक्स्ट) के एक सैट के साथ एक भुगतान परामर्श हमें सुनाया जाए।

4. उपर्युक्त साक्षपत्र के प्रस्तर्गत प्राप्तके वैक प्रमार..... के द्वारा भारत द्वारा जमा वस्तु से आपके साथ ही तथा किया जाएगा।

5. यह प्राधिकार,..... तक वैक द्वारा।

संघीय,

(लिखा प्रधिकारी)

## प्रति:-

1. एक प्रति भारतीय वैक को।
2. आपातक को
3. के एक डब्ल्यू.फैक्टरी को इस मंत्रालय के पत्र नं..... दिनांक..... के अनुयाय में।

उनसे अनुरोध है कि..... वैक के, अनुरोध पर तकाल ही अनियोध अरायामी के तिए प्रवृत्त करें।

4. ई ई सी-१ अनुभाग,

## अनुबंध ६

विषय:- १९८६-८७ के लिए दो.एन.-३५ विनियन परिवर्ती पंजीयन माल केंटिट के अंगर्त अविकार विभाग विभागों के लिए प्राधिकार पत्र जारी करता। आरान नामेंत रं..... दिनांक.....

## प्रिय महोदय,

..... से पत्र संख्या..... दिनांक..... के संदर्भ में, जिरें उन्होंने १९८६-८७ के लिए दो.एन. ३५ विनियन परिवर्ती, द्वारा पंजीयन माल केंटिट के पंजीयन मालके वैक द्वारा साक्षपत्र खोले की अनुमति मांगी है, मैं उन्हें तिथी संघरक्ष की, ..... तक भुगतान की घवस्था के लिए प्रतिक्रिया करने द्वारा अर्थिक कार्ये विभाग की पत्र सं..... दिनांक..... संवाद करता हूँ। (एक प्रतिरक्त प्रति के साथ)

इस प्राधिकार पत्र को भागके द्वारा खोले गए विभाव के गाय..... को मेज दिया जाता चाहिए।

2. इस विभाग को अवायन कराने द्वारा पत्र के जारी होने की तारीख के दीन दिनों के अंतर आवाहन जारी करने का अधिकार दिया जाता है जो इसकी धनराजि..... ने अधिक नहीं होनी चाहिए। विनियन विनेशन विनयन पुस्तक के लाइ-७ की कॉडिका १० के प्र०/ना० यह सुनिश्चित कर देना ओवित है कि पांच दिनों तक विभाव होने के बाद साक्षपत्र की समाप्ति की तारीख ४५ दिनों से पहले नहीं है जैसा कि संवर्तित आयान लाइवेंस में वाला गरा ते न प्रतिक्रिया नव गे जो नारंख दी गई है इन्हें से आहे जो भी पहले हो चुकी होनी चाहिए। साक्षपत्र खोलेने से पुर्व आया तक इस वात के लिए कृपया सुनिश्चित हो जाए कि उन्हें पांप वैध अवायन लाइवेंत है।

3. ..... वैक से पूछा जाए कि वे वस्तावेज प्रस्तुत करने पर आंतर्वल करें और साथ ही साथ के एक डब्ल्यू से प्रतिरूपि ग्राप्त करने भुगतान करें।

4. आपसे अनुरोध किया जाता है कि..... दस्तावेजों की प्राप्ति के १० दिनों के पांच हां प्राप्ति ग्राप्त की गई तरीका दस्तावेज गणराज्य में जारी के लिए दो.एन. में भुगतान की या अन्य देशों के विदेशी संवरकों के लिए अन्य विदेशी मुशा में भुगतान का और इसे वाय एवं प्रोटोकॉल के हितर से अनुचालित और सौदे प्रभारी-को प्रभारी वरने के लिए..... परिवर्ती जर्मनी में भासित आशिक्ष वैक का जाप) जाप करने की अवश्या करें। विदेशी संवरकों का चुहाई गई सारांशित वैक द्वारा द्वारा द्वारा के जारी होने तक सार्वजनिक सूचना सं. १५-प्राईटो सो(पो इट)/७२; दिनांक २८-१-७२ एवं सार्वजनिक सूचना सं. १०९-प्राईटो सो(पा इट)/

7. दिनांक 21-7-72 और 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में यथा संकेतिक अदला-बदली की मिली-जुली मिश्रित वर ने परिपणित की जाहिए। जब कभी विनियम की आई एम०एफ० की समधर में परिवर्तन होता है तो जो इर संशोधनार्थ है। संभरक को भुगतान की तिथि से और जिस तिथि को समतुल्य रूपया जमा किया गया है (वोनों दिन मिलाकर) प्रथम तीस दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे अधिक के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर के हिसाब से ध्याज और तरकारी लेवे में जमा कराता है। जैसा कि सार्वजनिक सूचना सं. 31 आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 में दिया गया है और जो संभरक को भुगतान की तिथि से गिना जाएगा या केंटफ०डब्ल्य० द्वारा नामित बैंक को अदायगी की तिथि से गिना जाएगा; इनमें जो भी पहले हो। आयातक को लालान प्रेसेंजों को विए जाने से पूर्व इन धनराशियों की जमा करने की व्यवस्था करना और यह मुनिशिच्चित करने के लिए कि इस प्रकार से जमा की गई धनराशि सभी प्रकार से ठीक है, आपकी जिम्मे दारी होती

5. ये धनराशि या तो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में नकद जमा की जानी चाहिए या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी शाखा या इसके नियंत्रिता (आदेशक) के द्वारा आपको प्राप्त डिमांड ड्राफ्ट जो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया तीस हजारी, दिल्ली-6 (आदेशकी ओर पाने वाला) के नामे निकालने प्रौद्योगिक भुगतान के लिए है, उसके द्वारा जमा को जानी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 द्वारा यथा संघेक्षित सार्वजनिक सूचना सं. 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24 अक्टूबर, 68 एवं संख्या 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5 अक्टूबर, 71 की ओर आकृष्ट किया जाता है। इसमें है जमा किया जाना है उसका लेखा शीर्ष, "के डिपोजिट एंड एवासेंज बी-डिपोजिट नाट विद्युतिंग इंडस्ट्रीज बैंडर डायरेक्ट एमेंट प्रोसीजर डिपोजिट फॉर कास्ट एप्लाइज एंड एक्यूप्रेंट आवरेंट बैंडर बेस्ट जम्मन कोपिटल गुड्स केंटिंग 15 फार 1986-87 (जो एम 35 मिलियन)" होगा।

6. मनोनीत जम्मन बैंक से प्राप्त सलाहकार नोट का पूरा विवरण हेते हुए एक पत्र के साथ रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मई दिल्ली में समतुल्य रूपया नकद में जमा करने में भागलों में चालान की एक भूल प्रति आपके द्वारा नीचे लिखे पते पर में जो जानी चाहिए 3--)

सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय, अधिकारी विभाग,  
यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट,  
मई दिल्ली।

डिमांड ड्राफ्ट द्वारा समतुल्य रूपया जमा करने में भागलों में जेसा कि ऊपर की सार्वजनिक सूचना दिनांक 24 अक्टूबर, 68 में बताया गया है, उसका सूचना ऊपर विए गए पते पर भी जोनी चाहिए। सभी मामलों में ध्याज की ओर धनराशि चुका दो मर्ह है और जिस अवधि के लिए ध्याज परिपत्ति किया गया है उसके विवरण के साथ जमा लिए गए समतुल्य रूपये का पूरा विवरण इस विभाग को भेज देना चाहिए।

7. खोले जाने वाले साक्षपत्र में इस संबंध में एक भुगतान वाक्यांश जोकि आना चाहिए कि बीमा कंपनी द्वारा प्राप्त कोई दाया/ओर/या गारंटी के विषयावान एवं तर्बित बैंक गारंटी से होने वाले कोई दाये बोमा कंपनी/ओर/या ही, एम. मैं गारंटी देने वाले बैंक द्वारा वित्त मंत्रालय, अधिकारी विभाग, नहीं दिल्ली को अवगत कराते हुए भी एक डम्प्यू (लेखा सं. 504, 09100 दम्प्यूप्रे एस्वेसमेंट, एफेंसिन) को प्रेषित किया जाने चाहिए।

8. जिस विदेशी मुद्रा में प्रधिकार पत्र जारी किया गया है, उसी में धार्य पत्र जोला जाना चाहिए।

9. भारतीय भविकर्ता का कमीशन, यदि कोई ही से भारत में अदा किया जाता

10. हमें इस पत्र की पावती भेजें जाए।

भारतीय

लेखा अधिकारी

प्रधिकार पत्र की मंजूष... की एक प्रति के साथ प्रति तूल्य एवं उसके विए गए पत्र के पाँच में सर्वभी... की विवर।

लेखा अधिकारी

अनुबंध-7

प्रबन्ध

1. जिस आयातक/लाइसेंसधारी की ओर से बैंक गारंटी भेजी गई उसका नाम और पूरा पता।
2. अ.य.त. स.इसेम की संख्या और दिनांक एवं सूच्य।
3. भेजी गई गारंटी की संख्या, दिनांक एवं धारागत।
4. साम्बन्धित खोलने के लिए वित्त मंत्रालय से प्राप्त प्राधिकारपत्र घोरें:-
  - (क) प्राधिकारपत्र की मंजूषा एवं दिनांक।
  - (ख) प्राधिकार पत्र की प्रनाली (विदेशी मुद्रा में)
5. प्रभावी किए जायाते एवं जमा किए गए रूपयों के बारे में
  - (क) संभरक का नाम
  - (ख) उपर्युक्त (क) में उल्लिकृत नंमरों को चुहाई गई गढ़ों द्वारा उपर्युक्त नंमरों की विदेशी मुद्रा में
  - (ग) बेस्ट जम्मनी में नामित बैंक द्वारा संभरक की नियंत्रणी वाली जम्मन की संरीक्षा
  - (घ) जमा किए गए रूपये की धनराशि:-
    - (1) संभरक की चुकाई गई विदेशी मुद्रा की धनराशि का समतुल्य रूपए (विदेशी मुद्रा की एक एकक की दर ले)
    - (2) चुकाया गया ध्याज
    - (3) जिस अवधि तक ध्याज परिक्रित किया गया है... से ... से ...
    - (4) कुल किया गया ध्याज
    - (5) जमा करने का दिनांक और स्थान।
    - (6) राजकोष चालान की संख्या एवं दिनांक (इसे संचालन किया जाना है) यदि राजकोष चालान पहले ही ने ज दिया गया है सांस उसको संख्या एवं दिनांक सांस उद्धृत किया जाए।
    - (7) यदि उपर्युक्त (घ)(4) में लिखित रूपया डिमांड ड्राफ्ट के भाव्यम से जमा किया गया था तो उपर्युक्त की संख्या, दिनांक और धनराशि और आपके जिस पत्र के साथ यह आरंभीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली को भेजा गया था उसके ब्यौरे का उल्लेख किया जाए।

6. प्रत्येक प्राधिकारपत्र के मध्ये प्रयुक्त एवं उपर्युक्त गोब धनराशि (विदेशी मुद्रा में)

7. इस संबंध में एक प्रमाणपत्र को उपर्युक्त नंमरों-८ में संकेतित दोष धनराशि का उपयोग मर्ही किया गया है और इसके लिए कोई पोसलावान मर्ही किया गया है तथा उसे समाप्त हुआ नममा जाए।

(प्राधिकारपत्र तुल्याकृष्ण)

		प्रपत्र		प्रतुर्व
कंपनी का नाम	नियोजित/ सार्वजनिक सेवा	उद्योग का श्रेणी कारोबार का पता	प्रावेदित सी बन- राशि (स्पष्ट में)	प्राप्ति वाले हैं। अविवाक का बूदा की सं. विनाक (विदेशी मुद्रा में) सांख्या का मावरत के महे चुकाई गई घन-राशि (विदेशी मुद्रा में),
1	2	3	4	5
6	7	8	9	

टिप्पणी --- डी. एम. 2 मिलियन के सम्मुच्चय राशि से अधिक आवंडन से संबंधित रिपोर्ट के प्रतिरिक्ष यदि मुद्रा को दर राजवर (नोंदाश्टक) विनाय द्वारा अधिसूचित कर दो गई ही लाइसेंसधारी के लिए परियोजना पूर्ण होने के लिए निर्धारित समय के अनुपालन के लिए विशेष प्रवर्तन पर, यदि कोई हो तो अनुबंध-9 के रूप में अद्वा-आर्थिक रिपोर्ट को भेजना भी आवश्यक होगा और इसके साथ परियोजना के पूर्ण होने तक कभी से कम तीन-तीन वर्षों की आर्थिक रिपोर्ट (दो प्रतिवार्षी में) भी भेजना आवश्यक होगा।

## अनुबंध-9

परिवर्तन अर्द्धों पूँजीयान माल क्रेडिट के अंतर्गत परियोजनाओं को प्राप्ति के रूप में रद्द-राशि रिपोर्ट देने का दृश्य 30 जूलाई/31 दिसंबर।

1. कंपनी का नाम-नामा पता (प्रधान कार्यालय का पता तथा फैक्ट्री का भी पता)
2. वह राज्य जिसमें वह स्थित है (जिस राज्य में प्रधान कार्यालय स्थित है यदि उससे भिन्न राज्य में फैक्ट्री स्थित है तो उसका साफ-साफ संकेत किया जाना चाहिए)।
3. क्या यह सार्वजनिक फैक्ट्री संस्थान है या निजी ज्ञेय संस्थान है?
4. उद्योग की वह शाखा जिसमें यह संबंधित है।
5. भारत सरकार द्वारा अनुमोदित क्रेडिट के अंतर्गत आवंडन का मूल्य।
6. पूँजीयत माल की मर्दों के विनिर्माण के विवरण के साथ परियोजना का संक्षिप्त विवरण।
7. आवास लाइसेंस की संख्या, दिनांक तथा मूल्य।
8. डी. एम. में लाइसेंस के अधीन संविदा (ओ) का मूल्य।
9. ..... को डी. एम. में संभरकों को भुगतान की गई घनराशि।
10. यदि आयात लाइसेंस में शेष धनराशि है तो क्या उसके उपयोग किए जाने की संमावना है। यदि ऐसा है तो वह कितनी है और कितनी जल्दी इसे प्रयोग संविदा द्वारा उपयोग में लाया जा सकता।
11. समय-मार्गिणी रखना, वास्तविक तिथियों के साथ मारणी की तुलना और समय सारणी को परिवर्तन करने के लिए क्या कारण है।
12. यदि महीं तो उसके विशुद्ध कारणों सहित परियोजित समय-सारणी : , ,
13. परियोजना की प्रगति :--

  1. माल का संभरण (सूँदरी की जर्ब)
  2. स्थापना (किस्म तथा क्रोटि)
  3. प्रबालन (भ्रंति स्थीरति, किए गए प्रयोग संचालन के परिणाम)

14. परियोजना की समापन तिथि
15. परियोजना की आर्थिक उल्लंघन
16. सामत और विस्तीर्ण योजना का कार्यालयन, योजना की वास्तविक मूल्य के साथ तुलना
17. परियोजना की आलू करने से संबंधित कोई विशेष वटनाएं।
18. परियोजना की नवीनतम आर्थिक रिपोर्ट (दो प्रतिवार्षी)

टिप्पणी :-- जो लागू न हो उसे काट दें।

## MINISTRY OF COMMERCE

## IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 126-ITC(PN)|85-88

New Delhi, the 15th October, 1986

Subject: Licensing Conditions for imports under the West German Capital Goods Credit of DM 35 million for 1986-87.

F. No. IPC|23(11)|84-85.—The terms and conditions governing imports under the West German Capital Goods Credit as given in Appendix to this Public Notice, are notified for information.

R. L. MISRA, Chief Controller of  
Imports and Exports

## APPENDIX

Conditions attached to import licences issued under the West German Capital Goods Credit of DM 35 million for 1986-87.

I. (i) Where the value of allocation approved by the Capital Goods Committee exceeds the rupee equivalent of DM 2 million (the rupee equivalent being determined at the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) under Section 15 of the Customs Act, 1962) the prior concurrence of the West German authorities [Kredi anstall fur Wiederaufbau (KFW)] to the allocation is obligatory, and this would be obtained by the Department of Economic Affairs on the basis of the project data to be supplied by the Indian importer in the form at Annexure-I. Till such concurrence from West German authorities is communicated to the Licensing authorities (CCI&E) by the Department of Economic Affairs no import licence can be issued in favour of the Indian importer.

I. (ii) The licence shall bear the superscription "DM 35 million West German Capital Goods Credit for 1986-87". The licence code for the first and second suffix will be "S|GN". These will also be repeated in the CCI&E's letter forwarding the import licence.

I. (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the Import Licence, except bank charges which may be remitted through normal banking channel. Payments towards Indian Agent's commission, if any, should be made in Indian rupee to the agents in India. Such payments however, will form part of the licence value and will therefore be charged to the licence.

I. (iv) The goods and related services to be procured under this import licence can only be imported from the Federal Republic of Germany including the Land Berlin.

I. (v) The minimum and the maximum amounts for which an import licence can be issued under this Credit is the rupee equivalent of DM 30,000 and DM 7,000,000 respectively. However, in exceptional cases, the maximum limit can be

relaxed by the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance upto DM 10,000,000 (rupees equivalent being calculated at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs) which rate of exchange should be indicated in the import licence as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)|74 dated 6th June, 1974 issued by the Chief Controller of Imports and Exports).

I. (vi) The import licence will be issued on CIF basis with an initial validity of 24 months or the last date of shipment as indicated in para 2(xii) below, whichever is less subject however to the condition that the import licence will have a minimum validity of 12 months from the date of issue.

I. (vii) Firm orders (meaning thereby purchase Order by the Indian Licensee on the foreign supplier supported by order confirmation from the letter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the foreign supplier) must be finalised within a period of 4 months from the date of issue of the import licence (vide para I(ix) below). Orders on Indian Agents of Overseas suppliers and/or order confirmation by such Indian Agents are not acceptable.

I. (viii) If firm orders, as explained in para I (vii) above, cannot be finalised within the time limit of four months, the licensee should submit to the Chief Controller of Imports and Exports (CCI&E), or other licensing authorities, as the case may be a proposal seeking an extension in the ordering period alongwith justification and explanation as to why ordering could not be completed within the initial validity period. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merits by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence, such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (EEC I Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and convey its decision, to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of such letters of the licensing authorities sanctioning extension will the authorised dealers in foreign exchange and departmental authorities permit the facility of bank guarantee, letters of authority for the establishment of letter of credit acceptance of deposits of rupee equivalent etc.....

I. (ix) It will be in the interest of the licensee to ensure that firm order is finalised within the stipulated time limit for ordering. In cases where this cannot be done the licensee should of his own, approach the licensing authorities for a suitable extension in the period of ordering. The authorised dealers in foreign exchange/departmental authorities concerned will exercise necessary checks to ensure that the licensee complies with the requirements of placing orders within 4 months.

I. (x) In cases where firm orders have not been placed for the full value of the licence during the

initial validity period of the licensees it will be necessary for the licensee to obtain the permission of the licensing authorities in the manner as explained in para 1(viii) above before placing orders against such unorderd balance value of the licence.

**Section II: Special points to be kept in view while concluding purchases contracts.**

2. (i) The contract price should be expressed in the currency of Federal Republic of Germany. The contract price should be firm and final and no provision for any escalation would be permitted. If any commission is payable to an Indian Agent of the foreign supplier it must be distinctly shown in the contract as an item of cost payable in Indian rupees in India and the net amount payable to the foreign supplier in foreign currency should therefore be known exclusive of such Indian Agent's commission. For the purpose of calculating the value in foreign exchange upto which purchase orders can be placed against the import licence, the value of import licensee should be computed at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs) under Section 15 of the Customs Act 1962 and indicated in the import licence as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated 6th June, 1974 issued by the Chief Controller of Imports and Exports.

2. (ii) Supply orders should be placed either on CIF or on C&F basis in the case of private sector importers. In the case of public sector importers the orders should be placed only on C&F basis.

2. (iii) It should clearly be understood that the purchase contracts under the import licence should be placed after obtaining comparable bid from overseas suppliers.

2. (iv) Minimum value of eligible contract—provided that the aggregate value of purchase contracts under an import licence is not less than DM 30,000. It is permissible for the importer to enter into individual purchase contracts for a value of less than DM 30,000 or equivalent of DMR 30,000. This is however subject to the condition prescribed in para 2 (xiii) below in respect of purchase contracts under an import licence the value of which does not exceed the rupee equivalent of DM 2 million.

2. (v) (a) The purchase contract under the import licence is required to be specifically approved by the Government of India and the Kreditanstalt fur Wiederaufbau (KFW) (the West German Bank Development Loan Corporation through which the West German Capital Goods Credit of DM 35 million has been made available) and therefore should incorporate a specific clause to this effect in the purchase contract.

(b) In the case of contracts entered into against an import licence whose value is the rupee equivalent of DM 2 million or less (calculated at the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs)), the approval of the contracts will not be specifically intimated to the importer. Once the Ministry of Finance Department of Economic Affairs have forwarded the contract documents to the KFW

under intimation to the importer, he may proceed as if the contract has been approved by the KFW also unless the KFW raises any objection subsequently in which event the importer will be informed suitably.

(c) In the case of contracts entered into against an import licence whose value is for an amount exceeding the rupee equivalent of DM 2 million (calculated at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs)) the approval of the KFW will be first obtained by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs and specifically communicated to the Indian importer and until then the contracts should be treated as provisional. For this purpose 3 copies of the purchase contract alongwith a certificate (in triplicate) that orders have been placed after obtaining comparable bids from foreign suppliers are required to be sent by the Indian Importers to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC I Section) Room No. 69, North Block] within a fortnight from the date of conclusion of the purchase contract.

2. (vi) Where contract is placed on CIF basis and accordingly the foreign supplier takes out the marine insurance, the foreign supplier should arrange to take out insurance in a freely convertible currency and obtain an undertaking from the insurance company concerned that payment if any arising out of insurance claims, would be made directly in DM to KFW (AC) No. 50409100 with Deutsche Bundesbank, Frankfurt(Main).

2. (vii) Where contracts are placed on C&F basis the marine insurance should be taken out with an Indian insurance company and the premium should accordingly be paid in Indian Rupees. However the Indian importer should obtain the following undertaking from the Indian insurance company and furnish it (in triplicate) to the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance (EEC I Section) alongwith the contract documents:—

"We shall make remittance in foreign currency to the overseas suppliers through KFW for any replacement, that may be necessitated by loss or damage to goods".

2. (viii) As the contracts are required to be placed either on CIF basis or on C&F basis as per para 2(ii) above, the foreign suppliers should be made responsible to pay the freight charges in foreign currency, even where Indian ships are used. In no circumstances the freight charges should be paid in Indian rupees.

2. (ix) Payment to foreign suppliers against the licence will be made by means of a 'Special' letter of credit as explained in Section III below and no remittance facility will be permitted against the import licence for this purpose.

2. (x) As regards transportation of goods purchased against the import licence, the party responsible for arranging shipment of the goods under the purchase contract will be free to choose the carriers.

2. (xi) For contracts whose value exceeds DM 1 million in the case of purchases from the Federal Republic of Germany including Land Berlin, the purchase contracts should provide for furnishing of performance guarantee by the Bank or the foreign supplier in regard to performance of the goods supplied. (covering 10 per cent of the order value). The performance guarantee in the proforma at Annexure-IV should be submitted to EEC-I Section on submission of contract documents for request for insurance of letter of authority (in the case of other contracts, namely for contracts whose value is less than the limit indicated above, the Indian importer is free to decide the question whether or not he needs a performance guarantee from the foreign supplier). It should, however, be ensured by the Indian importer that payments, if any, due to him from the foreign supplier arising from the performance guarantee stipulations should be made direct to Kreditanstalt fur Wiederaufbau (Acct. No. 50409100, with Deutsche Bundesbank, Frankfurt/Main).

2. (xii) Payment to the foreign suppliers under the import licence should be completed by the 31st December, 1989. A suitable provision should, therefore, be made in the purchase orders/contracts to ensure completion of shipments and payment by 31st December, 1989. In case it is anticipated that payments cannot be completed by that date, a request for extension with adequate justification must be made to the Department of Economic Affairs (Controller of Aid Accounts and Audit, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi) by 31st October, 1989. Such requests will be considered on merits.

2. (xiii) In the case of import licences whose value does not exceed the rupee equivalent of DM 2 million, the purchase contracts are required to be submitted by the Indian importer to the Department of Economic Affairs in a single lot. Submission of contracts piecemeal will not be entertained. In this connection the minimum value for eligible contracts explained in para 2(iv) above should be kept in view.

### Section III—Payment to foreign suppliers—“Special” Letter of Credit Procedure.

#### 3. (i) Request for issue of Letter of Authority.

Within a fortnight of conclusion of purchase contracts with foreign suppliers against an import licence whose value does not exceed rupee equivalent of DM 2 million [at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs)] or within a fortnight from the date of communication of the Government of India [vide para 2(v) (c) above] conveying the approval of KFW to the contracts placed against an import licence whose value exceed the rupee equivalent of DM 2 million (at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs), as the case may be the licensee should submit the following documents to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, EEC-I Section, North Block-(Room No. 69), New Delhi, with the request for the issue of Letter of Authority for opening an irrevocable letter of credit in favour of the foreign supplier concerned.

#### (a) In respect of contracts against import licence whose value does not exceed the rupee equivalent of DM 2 million:

- (i) Three copies of the Purchase Order and three copies of the foreign supplier's confirmation thereto, duly signed by the Importer and Suppliers respectively or photo-copies thereof. Attested copies of the orders placed on the Indian Agents and confirmation by such agents are not acceptable.

OR

Three copies of the purchase contract duly signed by both the Indian importer and the foreign supplier or photo copies thereof. Attested copies of the orders placed on the Indian Agents and confirmed by such Agents are not acceptable.

- (ii) A request (in triplicate) for issue of Letter of Authority in the form prescribed in Annexure-II.
- (iii) A Bank Guarantee in the prescribed form as in Annexure III from an Indian Bank authorised to deal in foreign exchange. (not applicable in the case of Public Sector Imports) duly adjudicated by the Collector of Stamps, in accordance with Section 31 of the Stamps Act, 1899.
- (iv) In the case of C&F contract, three copies of the undertaking from the Indian insurance company vide para 2(vii) above.
- (v) A certificate in triplicate vide para 2(iii) above that orders have been placed after obtaining comparable bids from foreign supplier.
- (vi) A certificate that no further contracts will be placed under licence vide para 2(xiii) above.
- (b) In respect of contracts against import licence whose value exceeds the rupee equivalent of DM 2 million.

In addition to the contract documents furnished earlier (in respect of which KFW's approval will have been obtained by the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs) vide para 2(v) (c) above), the following documents should be submitted:

- (i) A request (in duplicate) for the issue of Letter of Authority in the form prescribed in Annexure II.
- (ii) A Bank Guarantee in the prescribed form as in Annexure-III from an Indian bank authorised to deal in foreign exchange. (not applicable in the case of Public Sector Imports); duly adjudicated by the Collector of Stamps, in accordance with Section 31 of the Stamps Act, 1899.
- (iii) In the case of C&F contracts, three copies of the undertaking from the Indian insurance company vide para 2(vii) above.

3. (ii) It is clarified that in the case of public sector imports, no bank guarantee is required.

### 3. (ii) Opening of Letter of Credit.

Letter of Credit can be opened on the strength of the Letter of Authority on any one of the following 10 commercial banks in West Germany designated for this purpose:—

- (i) State Bank of India, Frankfurt.
- (ii) The Bayerische Vereinbank, Munich.
- (iii) The Commerz Bank, A.G. Frankfurt.
- (iv) The Deutsche Bank A.G. Hamburg.
- (v) The Dresdner Bank A.G. Gallusanglage 7-8  
6, Frankfurt|Main-I.
- (vi) Berliner Handels Gesellschaft Frankfurter  
Bank.
- (vii) Vereins-Und-West Bank, Hamburg.
- (viii) Bank fur Gemeins—Wirtschaft (Bfg).
- (ix) Berliner Bank, Aktiengesellschaft, A. G.  
Berlin.
- (x) European Asian Bank AG, Hamburg.

The importers (both in the public sector and private sectors) and their bankers should specifically indicate the Bank selected by them out of the ten mentioned in para 3(iii) above.

3. (iv) Failure to make the request for issue of Letter of Authority within a fortnight (a) from the date of placement of firm orders in the case of orders against an import licence whose value is the rupee equivalent of DM 2 million or less or (b) from the date of communication of approval of contract by the Ministry of Finance Department of Economic Affairs in the case of contracts against an import licence whose licence value exceeds the rupee equivalent of DM 2 Million, as the case may be will be deemed to be a violation of the Import Control Regulations.

3. (v) Bank Guarantee-amount for which it should be executed.

The Bank Guarantee (one Bank Guarantee for the full value of the contract) where necessary, should be for an amount representing the rupee equivalent of the amount in foreign exchange for which the Letter of Authority is sought plus 1 per cent of that amount towards incidental and commitment charges and in addition interest and other charges as mentioned in Annexure V. The prevailing rate of conversion shall be at the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) under Section 15 of Customs Act, 1962 on the date of issue of Import Licence. This rate is meant only for purpose of arriving at the value of bank guarantee to be furnished by the importer. For purposes of making rupee deposits into Government account towards the foreign exchange cost of imports made under the licence the rupee equivalent will have to be worked out at the composite rate for the D.M. amount spent by the designated commercial banks in West Germany in arranging payments to the foreign suppliers in terms of the public notice No. 15-ITC(PN)|72 dated 28-1-1972 and Public Notice No. 108-ITC(PN)|72 dated 21-7-1972 and 8-ITC(PN)|76 dated 17-1-1976 as amended from time to time. Any change in this regard will be notified as and when necessary.

### 3(vi) Issue of Letter of Authority

If the documents specified in para 3(i) above are found to be in order, the Ministry of Finance (Controller of Aid Accounts and Audit), Deptt. of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi will issue a letter of authority to the designated commercial bank in West Germany (as in Annexure-V) authorising payment upto the specified amount to the foreign suppliers on the basis of a "Special" letter of credit to be opened by the importer's bank in India on the nominated commercial bank in West Germany. A copy of such authorisation will be sent to Indian License. The original letter of Authority along with a copy thereof will be sent to the concerned Indian Bank authorised to open the Letter of Credit, asking it to submit the original letter of Authority to the designated commercial bank in West Germany along with Letter of Credit opened by it. (Such a direction will be as in Annexure-V. A copy of this communication will also be addressed to the importer.

No Bank in India should provide facilities to the licensee for establishing a Letter of Credit unless a Letter of Authority as explained in this para, has been received by such a Bank directly from the Controller of Aid Accounts and Audit, Deptt. of Economic Affairs, Ministry of Finance.

3. (vii) The "Special" Letter of Credit on the designated commercial Bank in West Germany should be opened within thirty days from the date of the issue of Letter of Authority under intimation to the Controller of Aid Accounts and Audit, Deptt. of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi. Otherwise the Letter of Authority already issued will be deemed to be no longer valid.

3. (viii) The payments to the foreign suppliers will be made by the designated Commercial Bank in West Germany on collection of requisite documents and statements. The designated commercial bank in West Germany will obtain reimbursement of the DM amounts from the West German authorities.

3. (ix) Incidental Bank charges incurred by the Bank for payment in the Federal Republic of Germany wherever applicable will be remitted by the concerned bank in India to the designated commercial bank in West Germany through the normal banking channel without affecting the Government of India's account.

### Section-IV Responsibility for Rupees Deposits into Government Account.

4. (i) The original shipping documents should invariably be forwarded by the designated commercial Bank in West Germany to the concerned bank in India who should, within 10 days of the receipt of the documents, release these negotiable set of documents of the licensee but only after ensuring that the rupee equivalent of DM amount paid to the German supplier by the designated commercial bank in West Germany plus 1 per cent thereof towards incidental and commitment charges together with interest charges on the above aggregate amount for the period from the date of payment to the foreign supplier or the date of reimbursement by KFW to the designated bank whichever is earlier, to the date of

deposit of the rupee equivalent into Government account (both days inclusive) is recovered from the importer and deposited into Government account. In terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)183 dt. 10-8-83 the interest charges are to be calculated as under in respect of deposits made in to the Government Account on or after 1st September 1983.

(ii) Where deposits are made within 30 days after, from the date of the 12 per cent p.r. annum supplier or the date of reimbursement is earlier by KFW to the designated Bank whichever is earlier.

(ii) Where rupee deposits are made more than 30 days after the date of payment to the supplier or the date of reimbursement by KFW to the designated Bank whichever is earlier.

(a) for the first 30 days 12 per cent per annum.

(b) for period in excess of 30 days 18 per cent per annum.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the foreign currency payments made to the foreign supplier will be the composite rate of exchange laid down in CCI&E's public Notice No. 8-ITC(PN)170 dated 17-1-76 or as may be notified by the Government from time to time through public notices of the CCI&E or through the Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the original shipping documents are handed over to the importers. The licensee should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

4. (ii) The deposits envisaged in para 4(i) above may be made in cash either at the Reserve Bank of India New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not feasible, the amounts may be remitted by means of a demand draft drawn on an in favour of the Agent, State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 for credit to Government account as contemplated in Public Notice No. 233-ITC(PN)158 dt. the 24th October 1968 as amended vide Public Notice No. 74-ITC(PN)174 dt. 31st May 1974 and Public Notice No. 132-ITC(PN)171 dt. the 5th October 1971. The Head of Account to be credited is "K-Deposits and advances-Deposits not bearing interest 843-Civil Deposits—Deposits for purchases etc. abroad. Direct payment Procedure Deposits for cost of supplies and equipment obtained under the West German Capital Goods Credit XIX 86-87 (DM 35 Million Credit)".

4. (iii) Remittance will be made in the Challan form prescribed in Public Notice No. 74-ITC(PN)174 dt. the 31st May, 1974.

4. (iv) One copy of the Challan from the Reserve Bank of India New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi for intimation regarding the submission of Demand Draft to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 should be sent by the Indian Bank which had issued the guarantee, to the Controller of Aid Accounts and Audit Deptt. of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building,

Parliament Street, New Delhi-110001 alongwith a forwarding letter giving full details of the Advice Notes received from the concerned nominated bank in West Germany.

4. (v) It will be obligatory for the importers to make the requisite rupee deposits through authorised dealers only and also to get the exchange control copy of the licence endorsed by them, as required in Public Notice No. 184-ITC(PN)168, dated the 30th August, 1968. They should also fill in the requisite "S" forms as prescribed by the Reserve Bank of India.

4(vi) After the imports under a licence are completed and the importers/banks have deposited into Government account all the amounts due, details of the imports received and of rupee deposits made should be furnished to the Controller of Aid Account and Audit, Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs, UCO Bank Building New Delhi-1 in the Ministry of Finance to verify and arrange for release of the bank guarantee furnished by the importers, wherever necessary.

#### Section V—Alteration in the contract.

Any material alteration in the contracts pertaining to the list of goods, terms or schedule of payments, value of goods, etc. will require the prior approval of the Ministry of Finance and the KFW authorities, whether it results in earlier payments, or in postponement of payments.

Such alteration(s) should be promptly intimated by the importer to the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, New Delhi (EECI Section) North Block for securing the approval of the Government of India/KFW. In the same manner as explained in para 2(v) above.

#### Section VI—Reporting

A quarterly report commencing from the date of issue of the licence should be furnished in duplicate as in Annexure-VII to the M/o Finance, Department of Economic Affairs (EECI Section Room No. 69, North Block) New Delhi showing progress of ordering, delivery of goods, payments to foreign suppliers, etc. and should be continued till all shipments and payments under the contract have been completed. In the case of allocation exceeding the rupee equivalent of DM 2 Million (at the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) the licensee should, in addition to the above mentioned quarterly reports, submit a half-yearly report, as on 30th June and 31st December each year in the prescribed proforma at Annexure-IX (duplicate) on special event, if any, on the progress of the project and on adherence to the time-schedule for completion of project alongwith Annual Report (2 copies) of the Indian importing company for at least three years until completion of the project.

#### Section VII—Miscellaneous Provisions

7. (1) The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import license which

may affect the Suppliers in carrying out the transactions.

#### 7. (ii) Disputes.

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes if any that may arise between the Indian importers and the foreign supplier.

#### 7. (iii) Compliance with Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence for meeting all obligations under the DM 35 Million Capital Goods Agreement with KfW authorities.

#### 7. (iv) Breach or Violations

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

#### 7. (v) List of Annexures

**Annexure-I** Project data Form

**Annexure-II** Form of Request for issue of Letter of Authority

**Annexure-III** Form of Bank Guarantee

**Annexure-IV** Form of Performance Guarantee

**Annexure-V** Form of Letter of Authority

**Annexure-VI** Letter of Instructions forwarding the letter of Authority

**Annexure-VII** Form of report of rupee deposits-cum-application for release of Bank Guarantee.

**Annexure-VIII** Form submitting quarterly report.

**Annexure-IX** Form of Half-yearly Progress Report. (applicable to cases exceeding rupee equivalent of DM 2 Million).

#### Annexure-I

#### PROJECT DATA FORM

KREDITANSTALT FUR WIEDERAUFBAU

6, Frankfurt/Main, Federal Republic of Germany  
Palmengartenstrasse 5-9.

Application for Foreign Exchange from German Capital Goods Loan

#### PROJECT DATA

##### (1) Application (Firm)

(a) Registered Office (address including State).  
958 GI/86-3

(b) Public Sector or private sector undertaking.

(c) Business Line/Branch of Industry.

(d) Partners of Company.

(e) Foreign Collaboration Agreement.

##### (2) Type of Capital Goods to be financed.

(3) Choice of capital goods based on please indicate the procurement procedure followed. Since the capital goods loan is available for purchases only from Federal Republic of Germany, an indication should be given whether tender enquiries were made floated and the basis on which the selection of a particular supplier has been made.

##### (4) Suppliers (Name and address).

(5) Short description of the whole project (for which such capital goods are required).

(6) Local and foreign exchange cost of the whole project, with following break-down of figures.

—Land and building.

—Machinery and equipment.

—Operating Funds.

—Miscellaneous.

(7) Local and foreign financial sources for the whole project (Quantitative statement concerning means of financing. It should be confirmed that Rupee-financing is secured and that foreign exchange requirements not covered by this application are met).

(8) Letter of Intent for Industrial Licence received.

(9) Annual reports with balance sheets and profit and loss accounts for the last two years. If available forecast of cash-flow and profitability.

##### (10) Capacity :

(a) Average utilisation of existing capacity during the last two years.

(b) In case of under utilisation, please give main reasons.

##### (11) Sales (last two years).

(12) Market position of the products to be manufactured (if possible figures showing past and expected development).

##### (13) Employment.

(a) Present number of employees.

(b) Additional employment after completion of project.

##### (14) Source of raw material supplies.

##### (15) Time-table for the execution of the project.

## ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF LETTER OF  
AUTHORITY

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Dept. of Economic Affairs,  
UCO Bank Building,  
Parliament Street,  
New Delhi-110001.

(Through EECI Section, Deptt. of Economic Affairs  
North Block, New Delhi)

Subject : Import of \_\_\_\_\_  
from \_\_\_\_\_  
under West German Capital Goods Credit  
for 86-87 DM 35 Million Credit.

Sir,

In connection with the import of \_\_\_\_\_  
from \_\_\_\_\_ under the above mentioned  
West German Capital Goods Credit, we furnish the  
following particulars to enable you to issue the  
authority for opening the letter of credit through  
\_\_\_\_\_ on the State Bank of India, Frankfurt or Bayerische Vereinsbank, Munich, or Commerzbank A.G. Frankfurt or Deutsche Bank, A.G., Hamburg or the Dresdner Bank, A.G., Gallusanlage 7-8, 6, Frankfurt/Main-I or the Frankfurt Bank, Frankfurt/AM Main or Vereins-Ind West Bank, Hamburg or Bank fur Gemeins-Wirtschaft (Bfg) or Berliner Bank, Aktiengesellschaft A.G., Berlin or European Asian Bank AG, Hamburg.

- (a) Name and address of the Importer.
  - (i) Whether a public or private sector undertaking.
  - (ii) Category of industry to which it belongs.
  - (iii) The State in which it is located.
- (b) Number, date and value of licence (photostat copy of the licence should be attached).
- (c) Value in foreign currency and date of the order placed and accepted by the suppliers, indicating payment terms viz., (c.i.f. or C&F) (In no case Letter of Authority should be applied for f.o.b. value only).
- (d) A certificate in duplicate that orders (with suppliers order confirmation) have been placed within a period of 4 months from the date of import licence. If orders have been placed after the stipulated period of 4 months, a copy of CCI&E's letter/Ministry

if Finance's letter authorising extension of time for placing from orders as the case may be, should be attached.

- (e) A certificate in triplicate that firm orders have been placed after obtaining comparable bids from overseas suppliers and that the lowest technically suitable offer has been accepted. In case it is not possible to obtain comparable bids, e.g. proprietary item, full justification therefore should be furnished.
- (f) Short description of the goods to be imported.
- (g) Net foreign currency amount payable to suppliers to be expressed in the DM currency) for which letter of authority is required (excluding Agency Commission).
- (h) Amount of Agency commission in foreign currency and name and address of Indian Agent.
- (i) Expected date of completion of delivery.
- (j) A schedule showing probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (k) In the case of import licence upto a value which is equivalent to DM 2 Million, a certificate that all the contracts against the import licence have been placed and that no further contract will be placed.

The Letter of Credit will be opened through \_\_\_\_\_

(Name & address of the Indian Scheduled Bank, authorised)

to deal in foreign exchange

and the Bank Guarantee No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ for Rs. \_\_\_\_\_ furnished by the above mentioned bank and which has been fully adjusted by the Collector of stamps, in accordance with section 31 of the Stamps Act, 1899 is attached.

Yours faithfully,  
(Licensee)

Copy forwarded to \_\_\_\_\_ Bank for information.

## ANNEXURE-III

## GUARANTEE BOND

President of India,

In consideration of the President of India (hereinafter called the Government) having agreed to arrange for payment in (mention the appropriate amount in foreign currency) for the import of \_\_\_\_\_ by \_\_\_\_\_

(hereinafter called the 'importer') against the licence No. \_\_\_\_\_

dated \_\_\_\_\_

issued under the terms and conditions of West German Capital Goods Credit for 1986-87 and in pursuance of import in favour of the importer against the above mentioned agreement, we \_\_\_\_\_ Bank, at the request of the importer hereby undertake to arrange to deposit the amount of the disbursements made by the \_\_\_\_\_

(Name of the Commercial Bank of West Germany) nominated by the importer converted at the prevailing rate of exchange calculated as per instructions issued by the Government in the matter from time to time plus 1 per cent thereon within 10 days of the receipt of advice of payments, for credit to the Government account, in the manner and against the appropriate Heads of Account as indicated by Govt. of India under the said credit together with interest thereon at the rates of 12 per cent per annum for the first 30 days and at 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment to the foreign supplier or the date of reimbursement by KfW to the designated bank whichever is earlier to the date of deposit of rupee equivalent for credit into the Govt. account. The negotiable set of import documents received from the designated commercial Bank in West Germany will be released to the importer only after the rupee deposits contemplated above have been made.

2. We, the \_\_\_\_\_ Bank also undertake to indemnify and keep indemnified the Government against any default in payment by the Importer of any sum that may be due and payable from time to time by the Importer to the Govt. at such place and in such manner as the Govt. may from time to time direct, such sums not exceeding Rs. \_\_\_\_\_ or any part thereof, for the time being due and payable by the importer, together with interest thereupon at the rate of 12 per cent per annum for the first 30 days at 18 per cent per annum for the period in excess thereof, reckoned from the date of payment to the foreign supplier or the date of reimbursement by KfW to the designated bank

whichever is earlier. The decision of the Govt. as to any default in the said payment by the importer, or on his part and in regard to the amount payable to the Govt. by us \_\_\_\_\_ Bank shall be final and binding on us \_\_\_\_\_ Bank.

3. We \_\_\_\_\_ Bank further agree that in case of increase in the value of imports or decrease in the value of unfulfilled deliveries under the contract as a result of change in the composite rate of exchange, the amount of this guarantee bond will be adjusted as on the date when the change takes place, in proportion to this change.

4. We \_\_\_\_\_ Bank further agree that the guarantee herein contained shall remain in full force and effect during the period that would be taken for the performance of the said Agreement/contract and that it shall continue to be enforceable till all the dues to the Government under, or by virtue of this guarantee have been fully paid and its claim satisfied or discharged.

5. The guarantee herein contained shall not be effected by any change in the constitution of the importer of the \_\_\_\_\_ Bank and the Government shall have the fullest liberty without affecting the guarantee to postpone for any time and from time to time any of the powers exercisable by it against the importer and the \_\_\_\_\_ Bank shall not be released from its liability under this guarantee by any exercise of the Government of the liberty with reference to the matters aforesaid or by reasons of time being given to the Importer or any other forbearance, act or commission on the part of the Government or any indulgence by the Government to the importer or by any other matter or things whatsoever which under the law relating to sureties shall, but for this provision, have the effect of so releasing the \_\_\_\_\_ Bank from its such liability.

6. We \_\_\_\_\_ Bank lastly undertake not to revoke this guarantee during its currency, except with previous consent of the Government in writing.

7. Our liability under this guarantee is restricted to Rs. \_\_\_\_\_ (plus interest and other charges not expected to exceed 1 per cent of the guarantee amount) and it will remain in force till the \_\_\_\_\_ day of \*\* (month) \_\_\_\_\_ 19 \_\_\_\_\_. Unless claims under the guarantee are made in writing within 1-1/2 years thereafter, i.e., upto \_\_\_\_\_ all government rights under this guarantee shall be forfeited and we shall be relieved and discharged from all liability thereunder.

dated the \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_  
for the \_\_\_\_\_ Bank.

Accepted for and on behalf of  
the President of India, by Shri  
(Name and designation)

Signature

Signature

\*This date shall be arrived at by adding one month to the date upto which the Letter of Authority is required to be kept valid.

Notes :—(1) The value of the stamped paper in which this guarantee is to be executed is to be adjudicated by the Collector of stamps under Section 31 of the Indian Stamps Act.

(2) The value of the Bank Guarantee vide papers 2 and 7 above shall be arrived at after adding 1 per cent to the net C&F or CIF value of the contract converted into rupees at the Customs exchange rate prevailing on the date of issue of the Import Licence.

## ANNEXURE—IV

## (Performance Bond)

Address of the beneficiary.

In consideration of your having contracted on ..... with Messrs. ..... (hereinafter called the Contractor) for ..... (Project) at a contract price of .....

and since it being a condition of the contract that a performance bond of 10 per cent of the contract price be established.

We, the undersigned Bank, waving all objections and defences under the aforesaid contract, hereby irrevocably and independently guarantee to pay to you without delay upon your first written demand any amount claimed by you up to the extent of ..... (in words ..... ) against your written declaration that the Contractor has refused or failed to perform the aforementioned contract.

In case of any claim under this guarantee, payment will be effected to Kreditanstalt fur Wiederaufbau, Frankfurt/Main (Account number 50 409 100 with Deutsche Bundesbank, Frankfurt/Main) in favour of .....

This guarantee shall expire on the ..... (Date) by which date we must have received any claim by registered letter or by cable.

It is understood that you will return this guarantee to us on expiry of settlement of the total amount to be claimed hereunder.

Date..... Bank .....

## ANNEXURE—V

## LETTER OF AUTHORITY NO.....

No.

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

198

(Name and address of the designated bank)  
Federal Republic of Germany.

Subj.:—Payment to Foreign Suppliers under Direct payment Procedure—DM 35 Million Capital Goods Credit dated 25-3-1966 from the Federal Republic of Germany (AL 8665333) Import Licence No....

..... dated .....

Dear Sirs.

In accordance with the terms and conditions of the above procedure, we hereby authorise you to spend such an amount in DM as may be found necessary to pay .....

.....

.....

to Messrs .....

.....

under the letter of credit to be opened by .....

.....

for covering the import of ..... against contract entered into by Messrs.....

.....

2. Since the amount is to be financed under DM 35 Million (XIX) West Germany Capital Goods Credit, you may negotiate the documents upon presentation and simultaneously obtain reimbursement from Kreditanstalt fur Wiederaufbau, Frankfurt and pay the supplier. In case KfW is not reimbursing the amount for one reason or the other, you may approach this Department immediately for necessary reimbursement.

3. After each payment, the shipping and other documents (negotiable) may be forwarded direct to ..... and a payment advice alongwith one set of documents (non-negotiable) sent to us for information.

4. Your banking charges under the above letter of Credit will be settled directly with you by the ..... by remittance from India.

5. The authority will remain valid upto .....

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy to :

1. One to the Indian Bank

2. The Importer.

3. KfW, Frankfurt in continuation of this Ministry's letter No. .... dated .....

They are requested to arrange for expeditious reimbursement immediately on request from ..... Bank.

## 4. EEC.I Section.

## ANNEXURE VI

To

Subject:—Import under West German DM 35 Million Capital Goods Credit for 1986-87  
Issue of Letter of Authority for opening Letter of Credit—Import Licence No. .... Dated .....

Dear Sirs,

With reference to letter No. .... dated the ..... from the ..... in which they have requested permission for opening a letter of credit through your bank under the West German DM 35 Million Capital Goods Credit for 1986-87, I am to enclose the Department of Economic Affairs Letter of Authority No. (with a spare copy) dated the ..... issued to the ..... authorising them to arrange payment upto ..... to the foreign supplier. The letter of Authority should be sent by you to the ..... along with the letter of credit opened by you.

2. You are hereby authorised to open the letter of credit for an amount not exceeding ..... within a period of thirty days from the date of this letter, under intimation to this Department. In terms of para 10, Section VII of the Exchange Control Manual, you are required to ensure that the date of expiry of the Letter of Credit is not later than 45 days after the final date for shipments stated in the relative import licence or the date indicated in the Letter of Authority whichever is earlier. Before opening the Letter of Credit, it may please be ensured that the importer is in possession of a valid import licence.

3. The ..... Bank may be asked to negotiate the documents upon presentation and simultaneously obtain reimbursement from KfW and pay the supplier.

4. You are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the amounts in Deutsche Mark spent by (name of the designated commercial Bank in West Germany) to effect payments in DM to the suppliers in the Federal Republic of Germany including Land Berlin ..... plus 1 per cent thereof towards incidental and Commitment charges in terms of the guarantee furnished by you, within 10 days of the receipt of the documents from the ..... The rupee equivalent of the amount disbursed to the foreign suppliers will have to be calculated by applying the prevailing composite rate of conversion as instructed in Public Notice No. 15-ITC(PN)72 dated the 28th January 1972 and Public Notice No. 108-ITC(PN)72 dated 21-7-1972 and 8-ITC(PN)76 dated the 17th January 1976 until further notice. This rate is subject to the revision if and when the IMF parity rate of exchange undergoes change. Interest at the rate of 12 per cent per annum for the first 30 days and at 18 per cent per annum for the period in excess thereof as mentioned in the Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10th August 1983 reckoned from the date of payment of the suppliers or the date of reimbursement

by KfW to the designated Bank which is earlier and the date on which the rupee equivalent are deposited (both days inclusive) is also required to be deposited into Government account. It will be your responsibility to arrange for the deposit of these amounts and to ensure that the deposits so made are correct all respects before the shipping documents are handed over to the importers.

5. The amounts should be deposited in cash either with the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a demand draft obtained by you from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tiz Hazari Branch, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection, your attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 233-ITC (PN)68 dated the 24th October, 1968 as amended by Public Notice No. 74-ITC (PN)74 dated 31-5-74 and No. 132-ITC (PN)71 dated the 5th October, 1971. The head of account to be credited is "K-Deposits and Advance-b-Deposits not bearing interest-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad under Direct Payment procedure Deposits for cost of supplies and equipment obtained under the West Germany Capital goods Credit for 1986-87 DM 35 Million Credit).

6. One copy of the challan in original, casts where the rupee equivalents are credited in cash at the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Delhi should be sent by you to the address given below, alongwith a forwarding letter giving full details of the Advice Notes received from the nominated German Bank.

The Controller of Aid Accounts & Audit,

Ministry of Finance,

Department of Economic Affairs,

UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001.

In case where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated the 24th October, 1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the Address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

7. A payment clause to the effect that the insurance claim, if any, received from the Insurance Company and/or claims, if any, arising out of Bank Guarantee relative to performance guarantee should be remitted by the Insurance Company and/or the Bank giving the guarantee in DM direct to KfW (Account No. 50409100 with Deutsche Bundesbank, Frankfurt/Main) under advice to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs, New Delhi, may be inserted in the Letter of Credit to be opened by you.

8. The letter of Credit may be opened in the foreign currency under which the Letter of Authority is issued.

9. Indian Agent's commission if any, is to be paid in rupees in India.

10. The receipt of this letter may please be acknowledged.

Yours faithfully,

(ACCOUNTS OFFICER)

Copy forwarded to M/s..... with a copy of teh Letter of Authority No..... for information, with reference to their letter quoted above.

Accounts Officer,

#### ANNEXURE VII

##### Proforma

1. Name and full address of the Importer/licencsee on whose behalf the Bank Guarantee was furnished.

2. The import licence number and date and value.

3. Number, date and amount of the guarantee furnished.

4. Particulars of the Letter of Authority for opening Letter of Credit obtained from the Ministry of Finance.

(a) Number and date of the Letter of Authority.

(b) Amount of the Letter of Authority (in Foreign currency).

5. Particulars Imports effected and rupee deposits made.

(a) Name of suppliers.

(b) Amount (in foreign currency) actually paid to the supplier (s) mentioned at (a) above.

(c) Date of payment to the supplier by the nominated Bank in West Germany.

(d) Amount of rupee deposits :

(i) Rupee equivalent of foreign currency amount paid to the supplier @ 1 unit of foreign exchange =Rs.)

(ii) interest paid.

(iii) period for which the interest has been calculated from.

(iv) Total Deposit made.

(v) Date and place of deposit

(vi) Number and date of the Treasury Challan (to be enclosed) If the Treasury Challan has already been sent, reference to the letter number and date with which it was sent may be quoted.

(vii) If the rupee deposit mentioned in (d) (iv) above was made by means of Demand Draft, the number, date and amount of the draft and particulars of your letter with which it was sent to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 to be indicated.

6. Amount utilised and balance unutilised (in foreign currency) against each letter of authority.

7. A certificate that the balance indicated in 6 above, has not been utilised and no shipment has been made thereof, and the same may be treated as lapsed.

(Authorised Signatures)

## ANNEXURE V

## PROFORMA

Name of Company	Private Sector/ Public Sector	Category of Industry	Address of Company	Amount of allocation (Rs.)	No. date and value of I.L. (Rs.)	Value of contract (foreign currency)	Value of L.C.	Amount paid against the LC (foreign currency)
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Note : In respect of allocation exceeding the rupee equivalent of DM 2 Millions at the rate of exchange notified by the Department of Revenue (Customs), the licensee will be required to submit in addition half yearly reports in Annexure-IX on special event, any, on the progress of the project and on adherence to the time-schedule for completion of project along with Annual Report (2 copies) for at least three years until completion of the project.

## ANNEXURE IX

## PROFORMA FOR SUBMISSION OF HALF-YEAR REPORTS ON PROGRESS OF PROJECTS FINANCED UNDER WEST GERMAN CAPITAL GOODS CREDIT—30TH JUNE/31ST DECEMBER.

1. Name of Company and address (address of Head Office and also address of factory).
  2. State in which it is located (if the factory is located in State other than the State in which the Head Office is located, it should be clearly indicated).
  3. Whether a public sector or private sector undertaking.
  4. Branch of Industry to which it belongs.
  5. Value of allocation under the credit approved by the Government of India.
  6. Brief Description of the Project including description of the Capital Goods items of manufacture.
  7. No., date and value of the import licence.
  8. Value of supply contract(s) under the licence in DM.
  9. Amount paid to the suppliers as on . . . . . in DM.
  10. If there is a balance in the import licence, whether it is likely to be utilised. If so, how much and how soon it is going to be utilised by further contracting.
  11. Keeping of time schedule, comparison of schedule with actual dates, reasons for changing the time, time schedule.
  12. If not, revised time-table with detailed reasons therefor.
  13. Progress of the Project
 

(i) Supply of the goods	(terms of delivery)
(ii) Erection	(kind and quality)
(iii) Commissioning	(final acceptance, trial runs results of operation)
  14. Date of completion of the Project.
  15. Economic implication of the Project.
  16. Realisation of the Cost and Finance Plan comparison of plan with actual values.
  17. Any special events connected with the implementation of the Project.
  18. Latest annual report of the Project Sponsor (2 copies).
- N.B. : Strike out the portions not applicable.

